❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 226

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ शुक्रवार, 03 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

भौतिक-प्राकृतिक अस्थिरता में शांति का उपाय 04
रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज ने 920 करोड़ की कमाई की 08

संक्षिप्त खबरें ।।।

राघव चड्ढा राज्यसभा में पार्टी के उपनेता पद से हटाए गए, अशोक मित्तल को मौका

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) ने गुरुवार को राज्यसभा में राघव चड्ढा को हटाकर अशोक मित्तल को राज्यसभा में पार्टी का उपनेता चुना है। पार्टी की तरफ से राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर औपचारिक रूप से अशोक मित्तल को पार्टी का उपनेता नियुक्त करने का अनुरोध करते हुए कहा गया है कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी के कोटे से बोलने का समय आवंटित न किया जाए। अशोक मित्तल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उन्हें राज्यसभा में उपनेता की जिम्मेदारी सौंपी है। मित्तल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाएंगे। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के 10 सांसद हैं, जिनमें से 07 पंजाब और 03 दिल्ली के हैं।

बिजली उपभोक्ताओं को 16 घंटे नहीं मिलेंगी ऑनलाइन सेवाएं

लखनऊ। बिजली उपभोक्ता 16 घंटे तक पावर कारपोरेशन की ऑनलाइन सेवाओं का लाभ नहीं ले पाएंगे। इसमें बिलिंग प्रणाली, ऑनलाइन उपभोक्ता पोर्टल, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप पर उपलब्ध सभी ऑनलाइन सेवाएं मसलन बिल भुगतान, स्मार्ट मीटर रिचार्ज, बिल जेनरेशन, भार वृद्धि आदि शामिल हैं। दरअसल, पावर कारपोरेशन द्वारा गुरुवार को जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि पावर कारपोरेशन और उसके सहयोगी डिस्कॉम पूर्वांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम एवं केस्को हेतु आरएमएस बिलिंग प्रणाली पर मेंटेनेंस एवं कॉन्फिगरेशन करने के कारण शुक्रवार को रात्रि 10 बजे से शनिवार को दोपहर दो बजे तक, पूर्ण रूप से बंद रहेगी। किसी भी सहायता के लिए 1912 पर संपर्क किया जा सकता है।

देश का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपए के सर्वोच्च स्तर पर

नयी दिल्ली। देश का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक के सर्वोच्च स्तर 38,424 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार एक वक्तव्य में कहा कि यह राशि पिछले वित्त वर्ष के 23,622 करोड़ रुपए के आंकड़े से 14,802 करोड़ रुपए (62.66 प्रतिशत) अधिक है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों और निजी क्षेत्र का योगदान क्रमशः 54.84 प्रतिशत और 45.16 प्रतिशत रहा है। मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय रक्षा उद्योग की यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विश्व के शीर्ष रक्षा निर्यातकों में स्थान दिलाने के दृष्टिकोण के अनुरूप है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा उत्पादन विभाग, भारतीय रक्षा निर्यातकों और अन्य सभी हितधारकों के इस अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना

खत्म होने वाला है युद्ध

ट्रंप का दावा, ईरान के खिलाफ अभियान निर्णायक मोड़ पर

एजेंसी

वाशिंगटन। हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राष्ट्रव्यापी संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देशवासियों को आश्वस्त किया कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में मची उथल-पुथल से अमेरिका काफी हद तक सुरक्षित है। उन्होंने सैन्य कार्रवाई तेज करने की चेतावनी देते हुए घोषणा की कि ईरान युद्ध 'पूरा होने के करीब' है।

श्री ट्रंप ने अमेरिकियों से कहा कि युद्ध 'खत्म होने वाला है' और इसमें केवल 'दो या तीन सप्ताह' और लगने का अनुमान है। हालांकि उन्होंने सैन्य अभियान को और तेज करने के संकेत देते हुए चेतावनी दी कि ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजा जा सकता है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने अमेरिका के लिए हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश की, जबकि इस महत्वपूर्ण समुद्री गलियारे की वजह से दुनिया भर में ईंधन की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। श्री ट्रम्प ने कहा, अमेरिका हॉर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए लगभग न के बराबर तेल आयात करता है और भविष्य में भी वहां से कुछ नहीं लेगा। हमें इसकी जरूरत नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दुनिया का अग्रणी तेल और गैस उत्पादक देश होने के नाते, वैश्विक बाजारों पर इसका असर होने के बावजूद अमेरिका सुरक्षित है। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब अमेरिकी नागरिक ईंधन की बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे हैं और गैस की कीमतें 2022 के बाद पहली बार चार डॉलर प्रति गैलन के पार

❒ हॉर्मुज जलडमरूमध्य के रणनीतिक महत्व को कमतर बताने की कोशिश

❒ ईरान को 'पाषाण युग में वापस' भेजने की धमकी

पहुंच गई हैं। श्री ट्रंप ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के बारे में अपडेट देते हुए दावा किया कि अमेरिकी सेना ने 'तेज और जबरदस्त प्रहार' किए हैं जिससे ईरान की नौसेना और वायु सेना तबाह हो गई है, उसके प्रमुख उग्रवादी नेता मारे गए हैं और अमेरिका तथा उसके सहयोगियों को डराने की उसकी क्षमता खत्म हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''अब हम पश्चिमी एशिया पर पूरी तरह निर्भर नहीं हैं। फिर भी हम वहां मदद के लिए मौजूद हैं। हमें वहां होने की जरूरत नहीं है। हमें उनके तेल या उनकी किसी चीज की जरूरत नहीं है, लेकिन हम अपने सहयोगियों की मदद के लिए वहां हैं।' इस अभियान को वैश्विक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए श्री ट्रंप ने कहा, ''मैं ईरान में हमारे योद्धाओं द्वारा की गई जबरदस्त प्रगति की जानकारी देना चाहता हूं और यह बताना चाहता हूं कि अमेरिका की सुरक्षा और स्वतंत्र दुनिया की सलामती के लिए ऑपरेशन एपिक फ्यूरी क्यों जरूरी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''आज अमेरिका की सेना को दुनिया में आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजक ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी शुरू किए हुए ठीक एक महीना हो गया है। इन पिछले चार हफ्तों में, हमारे सशस्त्र बलों ने युद्ध के मैदान में ऐसी तेज और निर्णायक जीत हासिल की है, जैसी पहले कम ही लोगों ने देखी होगी। श्री ट्रंप ने तबाही के पैमाने के बारे में कहा, आज रात, ईरान की नौसेना

अगर अमेरिका ने जमीनी हमला किया तो कोई जिंदा नहीं बचेगा : ईरान

तेहरान/वॉशिंगटन। अमेरिका-इज़रायल के हमलों के 34वें दिन ईरान ने संभावित जमीनी अभियान को लेकर कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि अमेरिकी सेना ने जमीनी हमला करने की कोशिश की तो कोई भी जीवित नहीं बचेगा। ईरान की सेना ने अमेरिकी जमीनी हमले की आशंका के मद्देनज़र अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सशस्त्र बलों के प्रमुख आमिर हतामी ने सैन्य मुख्यालयों को अमेरिका और इज़रायल की गतिविधियों पर 'पल-पल नजर' रखने के निर्देश दिए हैं। सरकारी समाचार एजेंसी इरना द्वारा जारी वीडियो में श्री हतामी ने कहा कि यदि दुश्मन जमीनी कार्रवाई करता है तो 'एक भी व्यक्ति को जीवित नहीं बचना चाहिए।

भारत की पश्चिम एशिया के हालात पर नजर हर स्थिति से निपटने को तैयार: राजनाथ सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पश्चिम एशिया के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि आज हम सब एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। आज हम देख रहे हैं कि पश्चिम एशिया में बड़ा संघर्ष चल रहा है। केरल के बहुत सारे लोग इन देशों में रहते और काम करते हैं, मगर उन्हें चिंता नहीं करनी है। कुछ लोग इस मौके पर कई तरह का झूठ फैला कर घबड़ाहट फैलाना चाहते हैं, जबकि भारत इस किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 'सैनिक सम्मान सम्मेलन' को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी

सरकार हर परिस्थिति में निपटने में सक्षम और तैयार है। यह समय पूरे देश के एकजुट होने का है। संकट के समय में भाजपा ने हमेशा देश का साथ दिया है। यह समय दलगत राजनीति करने का नहीं, बल्कि सभी राजनीतिक दलों को एकसाथ आने का है। राजनाथ सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी रोज अपने कूटनीतिक कौशल का प्रयोग करते हुए भारतीय हितों की रक्षा कर रहे हैं, जबकि विपक्ष इस संकट के समय देश के साथ खड़े होने के बजाय तुच्छ राजनीति करने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि वैसे तो हमारा केरल भारत के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक है। यहां के लोगों के अंदर राष्ट्र रक्षा का भाव इतना अधिक है कि केरल के लोग सिर्फ नौसेना ही नहीं, बल्कि सेना और वायु सेना में भी बड़ी संख्या में कार्य करते हैं। आज भारत जहाज निर्माण में दुनिया की किसी भी बड़ी शक्ति से कम नहीं है। इसी केरल में मौजूद कोचीन शिपयार्ड में भारत का सबसे पहला स्वदेश विकसित एयरक्राफ्ट कैरियर बन कर तैयार हुआ। आज जिस तरह से समुद्री क्षेत्र की महत्ता बढ़ रही है,

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दीपावली उत्सव को मान्यता दी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक ''ऐतिहासिक'' कदम बताया है।

यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन द्वारा प्रायोजित किया गया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना अमेरिका के मध्य पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक ''ऐतिहासिक'' घटना है और ''कॉर्नहस्कर स्टेट'' (नेब्रास्का का आधिकारिक उपनाम) में रहने वाले लगभग 9,000

प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर टोल दरों में पांच से 205 रुपये तक बढ़ोतरी

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के एक्सप्रेसवे पर सफर करना अब महंगा हो गया है। दुपहिया और चौपहिया वाहनों से लेकर बड़े वाहनों तक के लिए सर्वाधिक टोल आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर बढ़ाया गया है। शासन ने नई वित्तीय वर्ष में एक अप्रैल से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे तथा गोरखपुर एक्सप्रेसवे पर प्रथम टोल से अंतिम टोल तक वाहनों के लिए प्रति चक्कर नई दरें लागू कर दी हैं।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर टोल में पांच रुपये से 65 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है। अन्य एक्सप्रेसवे पर भी बाइक व कार का सफर महंगा हुआ है। भारी

❒ आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर टोल दरों में हुई सर्वाधिक वृद्धि

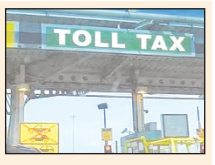

निर्माण कार्य मशीन (एचसीएम), भू-गतिमान उपस्कर (ईएमई) या बहुधुरीय वाहन (एमएवी) (तीन से छह घुरीय) के लिए केवल बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 15 रुपये की राहत दी गई है। टू व्हीलर, थ्री व्हीलर, लीगल रिजस्टर्ड ट्रैक्टर के लिए आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर पांच-पांच रुपये की बढ़ोतरी की गई है। कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन के

माता-पिता की जिम्मेदारी के नाम पर पत्नी की उपेक्षा नहीं : हाईकोर्ट

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में स्पष्ट किया है कि पति की अपने माता-पिता और भाई-बहनों के प्रति जिम्मेदारियां उसे अपनी पत्नी के भरण-पोषण के प्राथमिक दायित्व से मुक्त नहीं कर सकतीं।

जस्टिस विनोद दिवाकर की पीठ ने एक रेलवे कर्मचारी द्वारा दायर आपराधिक पुनर्विचार याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। मामले में फैमिली कोर्ट इटावा ने पत्नी के लिए मासिक भरण-पोषण की राशि 3500 रुपये से बढ़ाकर 8000 रुपये और नाबालिग पुत्र के लिए 1500 रुपये से बढ़ाकर 4000 रुपये की थी। रेलवे कर्मचारी पति अजय बर्मन ने हाईकोर्ट में दलील दी कि वह रेलवे में ग्रुप-डी कर्मचारी है और लगभग 55 हजार रुपये

प्रतिमाह कमाता है। उसे अपने दैनिक खर्चों के साथ-साथ वृद्ध माता-पिता और अविवाहित भाई-बहनों का भी पालन-पोषण करना पड़ता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति पर दबाव है। हालांकि, हाईकोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि 55 हजार रुपये मासिक आय इतनी कम नहीं है कि वह पत्नी और बच्चे के भरण-पोषण की जिम्मेदारी निभाने में असमर्थ हो। अदालत ने कहा, ह्लकेवल पारिवारिक

अमेरिका के नेब्रास्का राज्य ने दीपावली उत्सव को मान्यता दी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नेब्रास्का राज्य की विधायिका ने दीपावली उत्सव को मान्यता देने वाला एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसे सिएटल स्थित भारतीय मिशन ने राज्य के हिंदू समुदाय के लिए एक 'ऐतिहासिक' कदम बताया है।

यह प्रस्ताव राज्य सीनेटर जॉन फ्रेडरिकसन द्वारा प्रायोजित किया गया था और 31 मार्च को स्पीकर जॉन आर्च ने इस पर हस्ताक्षर किए। सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने एक बयान में कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना अमेरिका के मध्य पश्चिमी क्षेत्र में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए एक ''ऐतिहासिक'' घटना है और ''कॉर्नहस्कर स्टेट'' (नेब्रास्का का आधिकारिक उपनाम) में रहने वाले लगभग 9,000 हिंदुओं के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि है। महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि फ्रेडरिकसन लंबे समय से हिंदू समुदाय के समर्थक रहे हैं और मंदिरों के कार्यक्रमों में नियमित

मानवयुक्त आर्टेमिस-।। चंद्र मिशन केप कैनावेरा से लॉन्च

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपना मानवयुक्त चंद्र मिशन आर्टेमिस ।। को सफलतापूर्वक केप कैनावेरल से प्रक्षेपित कर दिया है।

चार अंतरिक्ष यात्रियों के साथ ओरियन अंतरिक्ष यान अपने लक्ष्य की ओर रवाना हो गया है। प्रक्षेपण के बाद रॉकेट का पहला चरण ओरियन से सफलतापूर्वक अलग हो गया है तथा ओरियन पृथ्वी की कक्षा में भी स्थापित हो गया है। वह पृथ्वी की कक्षा में 24 घंटे तक चक्कर लगाने के बाद आगे की यात्रा के लिए निकलेगा। यह आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत नासा का पहला मानवयुक्त मिशन है। चार सदस्यीय दल में नासा के अंतरिक्ष यात्री रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर और क्रिस्टीना कोच शामिल हैं। साथ ही कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन भी दल का

हिस्सा हैं। आर्टेमिस मिशन की योजना तीन चरणों में बनाई गई है। बिना चालक दल वाली पहली उड़ान 2022 के अंत में हुई थी। दूसरे चरण में चालक दल के साथ चंद्रमा के चारों ओर उड़ान भरी जाएगी, जिसके बाद तीसरे चरण में अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतारा जाएगा। चंद्रमा के चारों ओर से घमूने वाला यह मिशन 50 से अधिक वर्षों में नासा का पहला मानवयुक्त चंद्र मिशन है। यह 10 दिवसीय मिशन चार अंतरिक्ष यात्रियों को ओरियन अंतरिक्ष यान

भोजशाला प्रकरण में 6 अप्रैल से प्रतिदिन सुनवाई

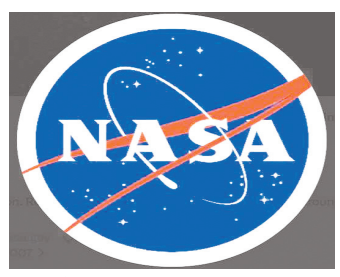

धार। मध्यप्रदेश में धार स्थित भोजशाला प्रकरण में इंदौर हाईकोर्ट ने 6 अप्रैल से नियमित रूप से प्रतिदिन सुनवाई करने का निर्णय लिया है। न्यायालय ने सुनवाई का समय प्रतिदिन दोपहर 2:30 बजे निर्धारित किया है। हाईकोर्ट की खंडपीठ, जिसमें न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी शामिल हैं, ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि नियमित सुनवाई के पहले दिन याचिकाकर्ताओं को सुना जाएगा, इसके बाद आपत्तिकर्ताओं के पक्ष को सुना जाएगा। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और विनय जोशी उपस्थित रहे। वहीं मौलाना कमालुद्दीन वेलफ़ेयर सोसायटी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने कहा कि प्रतिदिन सुनवाई शुरू होने से मामले में शीघ्र न्याय मिलने की उम्मीद है। दरअसल, भोजशाला को लेकर वर्ष 2022 में हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस द्वारा उच्च न्यायालय इंदौर में याचिका दायर की गई थी।

बंगाल के अधिकारियों को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

एजेंसी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान ड्यूटी पर तैनात न्यायिक अधिकारियों पर हुए हमले और घेराव की घटना पर कड़ा संज्ञान लेते हुए गुरुवार को इसे ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों के मनोबल को प्रभावित करने का एक 'दुस्साहसिक प्रयास' और न्यायालय के अधिकार को चुनौती करार दिया।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति विपुल पांचोली की पीठ ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के एक गाँव में न्यायिक अधिकारियों के घेराव और उन पर हुए हमले के बाद इस मामले पर तत्काल सुनवाई की, हालांकि यह मामला आज की कार्यसूची में सूचीबद्ध नहीं था। न्यायालय ने राज्य में कल हुई घटनाओं के संबंध में कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से मिले खत के आधार पर इस

मामले को बेहद जरूरी बताते हुए संज्ञान में लिया। पत्र के अनुसार, तीन महिला अधिकारियों सहित 7 न्यायिक अधिकारी मालदा जिले के एक गाँव में एसआईआर न्यायिक-निर्णय संबंधी कार्यों को पूरा कर रहे थे, तभी ग्रामीणों ने उन्हें घेर लिया। इन अधिकारियों को दोपहर 3:30 बजे से आधी रात तक बंधक बनाकर रखा गया और कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा राज्य प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की अपील किए जाने के बाद ही उन्हें मुक्त कराया जा सका।

लोकसेवकों से बोले प्रधानमंत्री मोदी- 'नागरिक प्रथम' मंत्र को अपनाने की आवश्यकता

शासन प्रणाली को निरंतर अद्यतन किये जाने की जरुरत

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के साथ सार्वजनिक सेवाओं के तालमेल की आवश्यकता पर बल देते हुए गुरुवार को कहा कि भारत तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्थाओं के बीच तेजी से प्रगति कर रहा है और उसे अपनी शासन प्रणाली को निरंतर अद्यतन करते रहना होगा।

श्री मोदी ने आज क्षमता निर्माण आयोग के स्थापना दिवस के अवसर पर कर्मयोगी साधना सप्ताह को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। उन्होंने कहा, ''कर्मयोगी साधना सप्ताह, यह सुनिश्चित करने के प्रयास में एक महत्वपूर्ण कड़ी है कि हमारी सार्वजनिक सेवा 21वीं सदी में प्रासंगिक और उत्तरदायी बनी रहे।''

श्री मोदी ने मौजूदा शासन के मार्गदर्शक सिद्धांत पर विस्तार से बात करते हुए कहा कि प्रशासन का मूल मंत्र ''नागरिक देवो भव'' है, जिसका अर्थ है नागरिक को सर्वोपरि मानना। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक सेवा को अधिक सक्षम और नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने के लिए पुनर्परिभाषित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''शासन को सही मायने में नागरिक-केंद्रित बनाकर उसे एक नई पहचान दी जा रही है। प्रधानमंत्री ने क्षमता निर्माण आयोग की स्थापना पर विचार रखते हुए कहा कि स्वतंत्रता के बाद से अनेक संस्थाएं विभिन्न उद्देश्यों के साथ कार्य कर रही थीं, फिर भी प्रत्येक सरकारी कर्मचारी की क्षमता बढ़ाने के लिए एक समर्पित निकाय की स्पष्ट आवश्यकता थी। उन्होंने कहा, ''इसी सोच ने क्षमता निर्माण आयोग को जन्म दिया, जिसका उद्देश्य व्यवस्था में प्रत्येक कर्मयोगी को सशक्त बनाना है।'' आयोग को उसके स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए और आईजीओटी मिशन कर्मयोगी की सफल भूमिका को स्वीकार करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन प्रयासों से आधुनिक, सक्षम, समर्पित और संवेदनशील कर्मयोगियों की एक टीम का

निर्माण होगा। श्री मोदी ने इस पहल को विकसित भारत की व्यापक परिकल्पना से जोड़ते हुए सेवा तीर्थ के उद्घाटन के अवसर पर दिए गए अपने हाल के भाषण का उल्लेख किया और तीव्र आर्थिक विकास, आधुनिक अवसंरचना, प्रौद्योगिकी को अपनाने और कुशल कार्यबल की प्रचुरता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में सार्वजनिक संस्थानों और लोक सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, आज का भारत आकांक्षी है, प्रत्येक नागरिक के सपने और लक्ष्य हैं और हम सभी का यह दायित्व है कि हम उन्हें पूरा करने के लिए अधिकतम सहयोग प्रदान करें। प्रधानमंत्री ने नागरिकों के जीवन की सुगमता और गुणवत्ता में सुधार के लिए शासन व्यवस्था को मानदंड बनाने को आवश्यक बताते हुए लोक सेवकों से प्रतिदिन कुछ नया सीखने और कर्मयोगी की सच्ची भावना को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''हमारी शासन व्यवस्था को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में दिन-प्रतिदिन सुधार हो, यही हमारा सच्चा मानदंड है। प्रशासनिक संस्कृति में मूलभूत बदलाव का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पुरानी व्यवस्था में 'अधिकारी' होने पर अत्यधिक जोर दिया जाता था, जबकि आज देश का पूरा ध्यान कर्तव्यनिष्ठा पर केंद्रित है। उन्होंने याद दिलाया कि संविधान स्वयं कर्तव्यों के निर्वाह के माध्यम से अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक निर्णय लेने से पहले, जब आप अपने कर्तव्य की मांग पर विचार करते हैं, तो आपके निर्णयों का प्रभाव स्वतः ही कई गुना बढ़ जाता है। प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों से अपने कार्य को भविष्य के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने का आग्रह करते हुए उनसे निरंतर इस बात पर विचार करने को कहा कि उनके व्यक्तिगत निर्णय लाखों लोगों के जीवन को कैसे बदल सकते हैं और व्यक्तिगत परिवर्तन संस्थागत परिवर्तन का मार्ग कैसे प्रशस्त कर सकता है। अपने व्यक्तिगत अनुभव से उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे परिवर्तनकारी कार्यों के लिए अपार ऊर्जा की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, ''यह ऊर्जा केवल और केवल निस्वार्थ सेवा की भावना से ही प्राप्त हो सकती है। श्री मोदी ने प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पिछले 11 वर्षों में शासन, सेवा वितरण और अर्थव्यवस्था

सोशल मीडिया पर कड़े नियंत्रण की जरूरत : सांसद आनंद गोंड

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच । बहराइच सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड ने आज लोकसभा में शून्यकाल के दौरान 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के बढ़ते और अनियंत्रित उपयोग का गंभीर मुद्दा उठाते हुए सरकार से इस पर तत्काल ठोस कदम उठाने की मांग की।

सांसद डॉ. गोंड ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से डिजिटल इंडिया की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिससे आम नागरिकों को अनेक सुविधाएं प्राप्त हुई हैं। लेकिन इसके साथ ही यह आवश्यक हो गया है कि बच्चों और युवाओं को एक सुरक्षित डिजिटल वातावरण भी सुनिश्चित किया जाए। आज भारत विश्व के सबसे युवा देशों में से एक है और हमारे बच्चों व युवाओं की ऊर्जा ही देश के भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन डिजिटल युग में सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग विशेष रूप से छोटे बच्चों के मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने सदन को अवगत कराया कि कम उम्र के बच्चे सही-गलत का पूर्ण विवेक नहीं कर पाते, जिसके कारण वे भ्रामक सूचनाओं, डीपफ़ेक कंटेंट, साइबर बुलिंग और अनुचित सामग्री के प्रभाव में आ जाते हैं। इससे बच्चों में चिंता, अवसाद, ध्यान की कमी, नींद की समस्या और आत्मविश्वास में गिरावट जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। सांसद ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित कई अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि कम उम्र में सोशल मीडिया की लत बच्चों के समग्र विकास के लिए हानिकारक है। उन्होंने यह भी बताया कि दुनिया के कई देश इस खतरे को समझते हुए ठोस कदम उठा रहे हैं। उदाहरण स्वरूप, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। डॉ. आनंद कुमार ने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग को विनियमित करने, प्रभावी आयु-सत्यापन प्रणाली लागू करने तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए सख्त और स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं। उन्होंने कहा कि यह केवल एक तकनीकी विषय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के भविष्य, मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षित वातावरण से जुड़ा हुआ मुद्दा है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 9 मई को

बहराइच। उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष/जनपद न्यायाधीश राजेश कुमार सिंह के निर्देशानुसार 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच, सुश्री प्रिया कुमारी राय ने आमजन से अपील की है कि लोक अदालत का अधिकाधिक लाभ उठायें। सचिव सुश्री राय ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में प्री-लिटिगेशन हेतु धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, बैंक वसूली एवं टेलीफोन बिल्स से सम्बन्धित प्रकरण, श्रम विवाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद, अन्य आपराधिक शमनीय वाद, वैवाहिक व अन्य सिविल वादों का अधिकाधिक संख्या में निस्तारण किया जायेगा तथा सुलह-समझौते के आधार पर जनपद न्यायालय में लम्बित वाद में आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकाएं, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, निषेधाज्ञा वाद, विशिष्ट अनुतोष वाद) आदि का निस्तारण किया जायेगा।

'कौशल दोस्त' बना युवाओं का नया मार्गदर्शक

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। उत्तर प्रदेश में कौशल विकास को सरल, सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण पहल की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के अंतर्गत 'कौशल दोस्त' नामक एआई आधारित चौटबॉट की शुरुआत की है, जो युवाओं को 24̊7 सहायता प्रदान करेगा। डिजिटल तकनीक के इस युग में जहां समय की बचत और त्वरित जानकारी अत्यंत आवश्यक हो गई है, वहीं 'कौशल दोस्त' युवाओं के लिए एक भरोसेमंद डिजिटल साथी बनकर उभरा है। अब स्किल ट्रेनिंग, कोर्स, पंजीकरण या प्रशिक्षण केंद्रों से जुड़ी जानकारी के लिए किसी कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। युवा घर बैठे ही आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपने सभी सवालों के जवाब तुरंत प्राप्त कर सकेंगे। यह ए0आई0 आधारित चौटबॉट इस प्रकार विकसित किया गया है कि यह सरल भाषा में सटीक और उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराता है। चाहे किसी को प्रशिक्षण में पंजीकरण की प्रक्रिया जाननी हो, उपलब्ध कोर्स और सेक्टर की जानकारी चाहिए हो, या फिर अपने नजदीकी प्रशिक्षण केंद्रों की सूची देखनी होकृ'कौशल दोस्त' हर समय सहायता के लिए तैयार है। इससे प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को भी बिना किसी कठिनाई के कौशल विकास योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिलेगा। प्रदेश सरकार की यह पहल न केवल डिजिटल सेवाओं के विस्तार का उदाहरण है, बल्कि यह प्रशासन को अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने की दिशा में भी एक अहम कदम है। 'कौशल दोस्त' के माध्यम से युवाओं को सही समय पर सही जानकारी उपलब्ध होगी, जिससे वे अपने करियर के बारे में बेहतर निर्णय ले सकेंगे। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में सही जानकारी ही सफलता की पहली सीढ़ी होती है। ऐसे में 'कौशल दोस्त' युवाओं को न केवल जानकारी प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें अपने भविष्य की दिशा तय करने में भी मदद करेगा। यह पहल स्पष्ट करती है कि उत्तर प्रदेश सरकार कौशल विकास को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार नवाचार कर रही है। डिजिटल सशक्तिकरण के इस नए प्रयास के साथ उत्तर प्रदेश एक ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहा है।

ज्ञात मंदबुद्धि महिलाओं की पहचान हेतु मांगी गयी सूचना

बहराइच। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बहराइच की सचिव सुश्री प्रिया कुमारी राय ने बताया कि वन स्टॉप सेण्टर, बहराइच के निरीक्षण के दौरान दो महिलाएं मिली है जो अपनी मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण अपना नाम और पता बताने में असमर्थ हैं। वन स्टाप सेण्टर के केन्द्र प्रशासक द्वारा अवगत कराया गया कि 10 अगस्त 2025 से निराश्रित महिला अज्ञात (पिंकी) व 19 मार्च 2026 से निराश्रित मंदबुद्धि महिला अज्ञात आयु लगभग 20 वर्ष संवासित है, जो थाना फखरपुर क्षेत्र से पायी गयी हैं जिनकी फोटो व विवरण संलग्न है।

गुरुकुल पब्लिक स्कूल में नए सत्र का शुभारंभ

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। बहराइच स्थित गुरुकुल पब्लिक स्कूल में गुरुवार को नए शैक्षिक सत्र का शुभारंभ चैत्र मास की पूर्णिमा एवम पावन पर्व हनुमान जयंती के अवसर पर भव्य यज्ञ एवं सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ के साथ किया गया।इस शुभ अवसर पर विद्यालय परिसर में धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। यज्ञ में विद्यालय के संस्थापक एवं प्रबंधक एवम विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत के प्रांत कार्याध्यक्ष श्री राजदेव सिंह जी मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में विधि-विधान से हवन संपन्न कराया गया।यज्ञ को विद्वान यज्ञाचार्यों द्वारा विभिन्न वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ विधिपूर्वक सम्पन्न कराया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ।कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और हवन में आहुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ।विद्यालय प्रबंधन ने इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों को नए सत्र के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

वार्षिकोत्सव में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

प्रभात समय संवाददाता

बाबागंजः शिक्षा क्षेत्र नवाबगंज में गुरुवार को संविलियन विद्यालय नौव्वागांव में वार्षिकोत्सव, परीक्षाफल वितरण व सम्मान समारोह कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर ब्लॉक प्रमुख जय प्रकाश सिंह व विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी राधेश्याम वर्मा ने सयुंक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वार्षिकोंत्सव समारोह का शुभारंभ स्वागत गीत के साथ हुआ।प्रधानाध्यापक प्रदीप त्रिपाठी द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, माल्यार्पण और बैच अलंकरण कर किया गया।अतिथियों द्वारा एनएमएमएस में चयनित छात्र रुचि गुप्ता,अरविंद श्रीवास्तव, आसिफ रजा, हजरत अली, राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय बहराइच में चयनित वैष्णवी देवी,संजनी देवी, दीपांशी देवी, तथा अटल आवासीय विद्यालय गोंडा में चयनित दीपांशी देवी सहित 2025-26 सत्र में सेवानिवृत शिक्षक सोहराब खान, अमीरुल हसन, कैलाश नाथ वर्मा कों शाल,धार्मिक पुस्तक तथा छात्र-छात्राओं कों मेडल, शील्ड, और माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया। छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जेपी सिंह ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों में भी बेहतर शिक्षण का माहौल बन रहा है पहले वार्षिक उत्सव,विदाई समारोह, प्रवेश उत्सव जैसे कार्यक्रम सिर्फ प्राइवेट स्कूलों में देखे जाते थे लेकिन आज संविलियन विद्यालय नौव्वागांव में इस तरह का कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय है। वही बीईओ श्री वर्मा नें विद्यालय शिक्षकों की सराहना करते हुए बच्चों की भी भूरी भूरी प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि अच्छी शिक्षा और संस्कार ही जीवन को सही दिशा देते हैं।

हनुमान जन्मोत्सवों पर भंडारे का हुआ आयोजन

प्रभात समय संवाददाता

नवाबगंज बहराइच। हनुमान जयंती पर हनुमान मंदिर में भक्तों ने पूजा अर्चना कर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया

श्री राम भक्त हनुमान जी के जन्मोत्सव पर आज कस्बे के छावनी चौराहे पर स्थित हनुमान मंदिर में भक्तों ने पहुंचकर पूजा अर्चना किया। भक्तों ने जय श्री राम के नारे लगाकर हनुमान की जय जयकार किया भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारा आयोजन में समिति के अध्यक्ष पिंटू गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, विक्रम गुप्ता, रोहित जायसवाल,उमेश गुप्ता आशीष कुमार, अन्नू गुप्ता प्रमोद कुमार रामेश्वर अनिल पाठक अंकित गुप्ता संतोष जायसवाल रोहित , अमित पांडेय आदि का भंडारे में सहयोग रहा जहां बड़ी संख्या में भक्तों ने भंडारे में पहुंचकर हनुमान जन्मोत्सव के प्रसाद को ग्रहण कर जय श्री राम के नारे लगाए। वहीं नवाबगंज के भक्तापुर गुलहरिया के प्राथमिक विद्यालय में हनुमान जयंती मनाई गई इस दौरान श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर सुंदर कांड का पाठ किया विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया इस अवसर पर अवनीश कुमार वर्मा, मोहनलाल वर्मा, शंकर, मनीष पांडे, आशीष पांडे आदि मौजूद रहे।

भोजपुरी कॉमेडी के स्टार हैं सुनील यादव : चंद्रभूषण सिंह याद

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। बिहार के गोपालगंज जिला अंतर्गत विजयीपुर प्रखंड निवासी सुनिल यादव को अंगवस्त्र एवं महामना बुद्ध का चित्र प्रदान कर सम्मानित करते हुए सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने रामपुर कारखाना विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत डुमरी स्थित सपा जन संपर्क कार्यालय पर आयोजित सम्मान कार्यक्रम में कहा कि सुनिल यादव भोजपुरी कॉमेडी के उभरते हुए स्टार हैं।

सपा के पूर्व प्रवक्ता चंद्रभूषण सिंह यादव ने सुनिल यादव की प्रशंसा करते हुए कहा कि सुनिल यादव ने भोजपुरी भाषा में किए जाने वाले अपने वार्तालाप से करोड़ों लोगों को हंसाने का जो अद्भुत हुनर पाया है वह सराहनीय है।किसी को भी रुला देना बहुत आसान है लेकिन दुनिया का सबसे कठिन काम लोगों को हंसाना है जिसे सुनिल यादव अपने अभिनय और वाणी से बखूबी अंजाम दे रहे हैं जिस हेतु हम सभी उनका अभिनंदन करते हैं। भोजपुरी के हास्य कलाकार सुनिल यादव को सम्मानित किए जाते समय उपस्थित रह उन्हें बधाई देने वालों में अनिल यादव, गिरीश चंद यादव उर्फ परदेशी बाबा,रामप्यारे यादव, सुरेश नारायण सिंह, अभिषेक गुड्डू गोंड, संतोष मद्धेशिया, अयोध्या वर्मा, नाजिर अंसारी, संजय यादव, व्यास यादव,मुरलीधर,शंकर गोंड,नारायण प्रसाद, नगीना यादव, सचिन कुमार, अमित टुनटुन यादव, झुल्लर अंसारी,शैलेन्द्र यादव, अशोक यादव, गोविंद यादव, दयानंद यादव,बेलभद्र गोंड आदि के नाम प्रमुख हैं।

दो बाइक चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

देवरिया। कोतवाली थाना व एंटी थेफ्ट टीम की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने दो बाइक चोरी की घटनाओं का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिलें भी बरामद की हैं। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद कुमार पांडेय व क्षेत्राधिकारी नगर संजय कुमार रेड्डी के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने कसया ढाला स्थित माल गोदाम के पास से दोनों आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में सम्पूर्णानंद मिश्रा (निवासी बसंतपुर, गौरी बाजार) और हरिशंकर गोड़ उर्फ आलोक (निवासी परसिया भंडारी, कोतवाली) शामिल हैं। इनके पास से बिना नंबर प्लेट की टीवीएस राइडर और हीरो स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल बरामद हुई।

रबी कटाई के दौरान आग से बचाव के सख्त निर्देश, कंबाइन मालिकों को सतर्क रहने की हिदायत

प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी दिव्या मित्तल की अध्यक्षता में रबी मौसम 2026 के दौरान फसल कटाई में आगजनी की घटनाओं की रोकथाम को लेकर कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कंबाइन हार्वेस्टर एवं भूसा बनाने वाली मशीनों के साथ अनिवार्य रूप से बोरी में बालू, पानी से भरा ड्रम तथा अग्निशमन यंत्र रखा जाए। इन व्यवस्थाओं के बिना कटाई कार्य न करने की हिदायत दी गई, ताकि किसी भी स्थिति में आग पर तुरंत काबू पाया जा सके।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता (विद्युत) को ढीले बिजली के तारों को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। साथ ही किसानों से अपील की गई कि वे बिजली के तारों के नीचे खड़ी फसल की समय रहते कटाई कर लें, जिससे आग लगने की संभावना कम हो सके। बैठक में उप कृषि निदेशक ने किसानों एवं कंबाइन मालिकों को जागरूक करते हुए कहा कि फसल अवशेषों को जलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। उन्होंने किसानों से अपील की कि अवशेषों का भूसा बनवाकर उपयोग करें। साथ ही मौसम को देखते हुए फसल की कटाई जल्द से जल्द पूर्ण करने की सलाह दी गई, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

पेज एक का शेष...

खत्म होने ...

खत्म हो चुकी है। उनकी वायु सेना मलबे में तब्दील है। उनके ज्यादातर नेता अब मर चुके हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) का नियंत्रण तंत्र ध्वस्त किया जा रहा है।'' उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन दागने की क्षमता काफी कम हो गई है और उनके हथियार कारखाने तथा रॉकेट लॉन्चर उड़ा दिए गए हैं। ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर अपना पुराना रुख दोहराते हुए श्री ट्रम्प ने कहा, ''2015 में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने प्रचार की घोषणा के पहले दिन से ही मैंने कसम खाई थी कि मैं ईरान को कभी परमाणु हथियार नहीं बनाने दूंगा। इन आतंकवादियों के पास परमाणु हथियार होना एक असहनीय खतरा होगा... मैं ऐसा कभी नहीं होने दूंगा।'' श्री ट्रम्प ने कहा, ''ईरान की परमाणु हथियारों को रोकने के लिए मैंने अपने दो कार्यकाल के दौरान कई काम किए... सबसे पहले और शायद सबसे महत्वपूर्ण, मैंने अपने पहले कार्यकाल में जनरल कासिम सुलेमानी को मार गिराया। मैंने बराक हुसैन ओबामा के ईरान परमाणु समझौते को खत्म कर दिया। असल में, मैंने वह किया जो कोई दूसरा राष्ट्रपति करने को तैयार नहीं था। उन्होंने गलतियां कीं और मैं उन्हें सुधार रहा हूं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि कूटनीति के प्रयास किए गए लेकिन वे विफल रहे। उन्होंने कहा, ''मेरी पहली प्राथमिकता हमेशा कूटनीति का रास्ता थी, फिर भी शासन ने परमाणु हथियारों की अपनी लगातार कोशिश जारी रखी और समझौते के हर प्रयास को ठुकरा दिया। इसी कारण से, जून में मैंने 'ऑपरेशन मिडनाइट हैमर' के तहत ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमले का आदेश दिया।'' उन्होंने दावा किया कि बाद में ईरान ने अपने कार्यक्रम को कहीं और फिर से बनाने की कोशिश की। वर्तमान उद्देश्यों को रेखांकित करते हुए श्री ट्रम्प ने कहा, ''हम व्यवस्थित रूप से अमेरिका को धमकाने या अपनी सीमाओं के बाहर शक्ति दिखाने की कोशिश करने वालों को खत्म कर रहे हैं। ये मुख्य रणनीतिक उद्देश्य पूरे होने के करीब हैं।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी सेना की तारीफ करते हुए कहा, ''हमारे सशस्त्र बल असाधारण रहे हैं। सैन्य रूप से ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। हर कोई इसके बारे में बात कर रहा है।'' श्री ट्रंप ने युद्ध में मारे गये अमेरिकी सैनिकों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ''जब हम इस प्रगति का जश्न मना रहे हैं, तो हम विशेष रूप से उन 13 अमेरिकी योद्धाओं के बारे में सोच रहे हैं जिन्होंने इस लड़ाई में अपनी जान दे दी। अब, हमें उस मिशन को पूरा करके उन्हें सम्मानित करना चाहिए जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण दिए।'' ईंधन की बढ़ती कीमतों पर श्री ट्रम्प ने कहा, ''कई अमेरिकी स्वदेश में पेट्रोल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को देखकर चिंतित है यह अल्पकालिक वृद्धि पूरी तरह से ईरानी शासन द्वारा वाणिज्यिक तेल टैंकरों और पड़ोसी देशों पर किए गए हमलों का परिणाम है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी कहा, ''ईरान पर परमाणु हथियारों के मामले में कभी भरोसा नहीं किया जा सकता। वे उनका इस्तेमाल करेंगे और बहुत जल्द करेंगे ईंधन की आपूर्ति की कमी का सामना कर रहे अन्य देशों के लिए श्री ट्रम्प ने संदेश दिया, ''उन देशों के लिए जिन्हें ईंधन नहीं मिल रहा है... मेरा एक सुझाव है। पहला, संयुक्त राज्य अमेरिका से तेल खरीदें, हमारे पास बहुत है। दूसरा, थोड़ी हिम्मत जुटाएं... जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) पर जाएं और सीधे प्राप्त करें। इसका उपयोग अपने लिए करें। ईरान लगभग खत्म हो चुका है।

भारत की पश्चिम...

उसे ध्यान में रखते हुए हम अपनी प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक दोनों को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं, क्योंकि हम 2047 तक भारत की भारतीय नौसेना को दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर नेवी बनाना चाहते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का यह मानना है कि हमारे सैनिक और पूर्व सैनिक देश के मजबूत स्तंभ हैं। हमारी सरकार ने अपने पूर्व सैनिकों के लिए बीते वर्षों में कई ठोस फैसले लिए हैं और आने वाले समय में भी यह सिलसिला रुकेगा नहीं। कांग्रेस ने इस देश के पूर्व सैनिकों की आंखों में भी धूल झोंकने का काम किया है। कांग्रेस चार दशक तक 'वन रैंक वन पेंशन' के नाम पर हमारे पूर्व सैनिकों से विश्वासघात करती रही। कागजों पर सिर्फ 500 करोड़ रुपये रखकर कांग्रेस कहती थी कि वो 'वन रैंक-वन पेंशन' लागू करेगी, लेकिन लंबे समय से चली आ रही इस मांग को हमारी सरकार ने पूरी ईमानदारी से लागू किया। इसके कारण हमारे पूर्व सैनिकों के जीवन में न केवल वित्तीय स्थिरता आई, बल्कि यह भरोसा भी मजबूत हुआ कि एनडीए सरकार ने उनके साथ न्याय किया है।

अमेरिका के नेब्रास्का...

रूप से भाग लेते रहे हैं। उनके निर्वाचन क्षेत्र में 1993 में स्थापित 'हिंदू टेम्पल ऑफ ओमाहा' स्थित है। इस प्रस्ताव के तहत इस वर्ष 20 अक्टूबर को राज्यपाल जिम पिलेन द्वारा गवर्नर हाउस में भव्य दीपावली समारोह आयोजित करने की भी योजना है। भारतीय मिशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''नेब्रास्का में दीपावली की ऐतिहासिक विधायी मान्यता। नेब्रास्का ने राज्य विधायी प्रस्ताव (एसएलआर)-424 को अंगीकार किया है, जो दीपावली के उत्सव और उसके महत्व को मान्यता देता है। महावाणिज्य दूतावास ने इस कानून को आगे बढ़ाने के लिए फ्रेडरिकसन का आभार जताया और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। प्रस्ताव में कहा गया है कि ''दीपावली पर्व एकता का प्रतीक है, क्योंकि इसे भारत के अधिकतर लोग मनाते हैं, चाहे उनका कोई भी धर्म हो और दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग इस उत्सव को मनाते हैं। इसमें यह भी कहा गया कि यह पर्व अच्छाई, प्रकाश और ज्ञान की बुराई और अंधकार पर विजय का ''स्थायी'' प्रतीक है।

प्रदेश के एक्सप्रेसवे...

लिए आगरा-लखनऊ तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर 10-10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। हल्के व्यवसायिक वाहन, हल्क माल वाहन या मिनी बस पर आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। बस या ट्रक पर लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर 50 रुपये, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे तथा बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 15-15 रुपये और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर पांच रुपये की बढ़ोतरी की गई है। भारी निर्माण कार्य मशीन (एचसीएम), भू-गतिमान उपस्कर (ईएमई) या बहुघुरीय वाहन (एमएवी) (तीन से छह घुरीय) के लिए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 205 रुपये, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर 10 रुपये और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 10 रुपये बढ़ाए गए हैं जबकि इन वाहनों के लिए अब बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 15 रुपये की राहत दी गई है। इसके अलावा विशाल आकार वाहन (ओवरसाइज्ड व्हेकिल) (सात या अधिक घुरीय) के लिए आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर 95 रुपये, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर 15-15 रुपये तथा गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर 10 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

माता-पिता की जिम्मेदारी...

जिम्मेदारियों का हवाला देकर पति अपने वैधानिक कर्तव्य से बच नहीं सकता। पत्नी का भरण-पोषण उसकी प्राथमिक जिम्मेदारी है।ङ्क कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि भरण-पोषण संबंधी प्रावधान सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से बनाए गए ताकि पत्नी सम्मानजनक जीवन जी सके और पति की आर्थिक स्थिति के अनुरूप उसका पालन-पोषण हो सके। अदालत ने पाया कि फैमिली कोर्ट ने सभी तथ्यों आय, सामाजिक स्थिति और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विवेकपूर्ण निर्णय लिया। इसलिए उसमें किसी प्रकार की कानूनी त्रुटि या मनमानी नहीं है। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने आपराधिक निगरानी याचिका खारिज करते हुए बढ़ाई गई भरण-पोषण राशि बरकरार रखी।

मानवयुक्त आर्टेमिस-II...

में चंद्रमा के चारों ओर भेजेगा। यह मनुष्यों द्वारा अब तक की गई सबसे लंबी अंतरिक्ष यात्रा होगी। दल चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से से लगभग 7,400 किलोमीटर आगे तक यात्रा करेगा और फिर पृथ्वी पर लौटेगा।

शासन प्रणाली को निरंतर...

सहित सरकारी कामकाज में प्रौद्योगिकी के गहन एकीकरण की ओर इंगित किया। उन्होंने जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आगमन से ये परिवर्तन और भी तेजी से आगे बढ़ेंगे।उन्होंने कहा, ''एक बेहतर प्रशासक, एक बेहतर लोक सेवक वही होगा जिसे प्रौद्योगिकी और डेटा की अच्छी समझ हो; यही निर्णय लेने का आधार बनेगा।'' उन्होंने आशा व्यक्त की कि साधना सप्ताह के दौरान कृत्रिम बुद्धिमत्ता में क्षमता निर्माण और निरंतर सीखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने भारत की संघीय संरचना की ओर ध्यान दिलाते हुए इस बात पर बल दिया कि देश की सफलता उसके सभी राज्यों की सामूहिक सफलता है। अगड़े राज्य, पिछड़े राज्य, बीमारू राज्य जैसी दशकों पुरानी श्रेणियां समाप्त की जा रही हैं। राज्यों के बीच की खाई को एकसमान प्रयास से पाटना होगा। उन्होंने कहा, ''हमें संवादहीनता को खत्म कर बेहतर समन्वय, साझा समझ और समग्र सरकारी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग से की शिष्टाचार भेंट, बोले

'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के साथ यूपी बना निवेश का केंद्र

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी से सिंगापुर गणराज्य के भारत में उच्चायुक्त साइमन वोंग ने गुरुवार को शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच उत्तर प्रदेश और सिंगापुर के मध्य निवेश, कौशल विकास, आधारभूत संरचना तथा सांस्कृतिक सहयोग को और सुदृढ़ करने पर सार्थक चर्चा हुई।

उच्चायुक्त वोंग ने गत फरवरी माह में मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा को अत्यंत सफल बताते हुए कहा कि इस दौरे ने न केवल सिंगापुर, बल्कि आस-पास के देशों के औद्योगिक जगत में भी उत्तर प्रदेश के प्रति सकारात्मक और भरोसेमंद संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक समुदाय उत्तर प्रदेश को एक नए अवसर और संभावनाओं के केंद्र के रूप में देख रहा है, जो भारत-सिंगापुर संबंधों को नई ऊँचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उच्चायुक्त ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में बीते नौ वर्षों में प्रदेश में कानून-व्यवस्था, आधारभूत संरचना एवं औद्योगिक विकास के क्षेत्र में हुए व्यापक सुधारों की प्रशंसा की। उन्होंने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में कार्यरत सिंगापुर की कंपनियों ने यहां के निवेश वातावरण को अनुकूल बताया है और अपने निवेश के विस्तार की दिशा में सक्रिय रूप से योजनाएं बना रही हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि आगामी महीनों में सिंगापुर के औद्योगिक जगत का एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश का दौरा करेगा, जो राज्य में निवेश के विविध अवसरों का अवलोकन करते हुए बड़े निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने की दिशा में आगे बढ़ेगा। सिंगापुर द्वारा प्रदेश के युवाओं के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी कार्य किया जा रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

सांस्कृतिक सहयोग के संदर्भ में कुशीनगर, सारनाथ जैसे बौद्ध पर्यटन स्थलों की अपार संभावनाओं का उल्लेख करते हुए दोनों पक्षों ने पर्यटन क्षेत्र में संभावनाओं को आकार देने पर सहमति व्यक्त की। इससे प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है। बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि नोएडा, ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ झांसी, वाराणसी सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के संतुलित एवं समावेशी विकास को और गति मिलेगी।

- निवेश, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर सहमति
- मुख्यमंत्री की सिंगापुर यात्रा का असर, वैश्विक निवेशकों में यूपी को लेकर बढ़ा विश्वासः साइमन वोंग

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज 'रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म' के मंत्र के साथ देश की सबसे तीव्र गति से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में अग्रणी बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को सुरक्षित, पारदर्शी एवं उद्योग-अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। बेहतर कानून-व्यवस्था, आधुनिक आधारभूत संरचना, सुदृढ़ कनेक्टिविटी तथा कुशल मानव संसाधन उत्तर प्रदेश को निवेश के लिए सर्वोत्तम गंतव्य बनाते हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश में विकसित हो रहे औद्योगिक कॉरिडोर, डिफेंस कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क तथा मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स हब निवेशकों को वैश्विक स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने सिंगापुर को एक विश्वस्तरीय आर्थिक एवं तकनीकी साझेदार बताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार औद्योगिक निवेश, शहरी विकास, लॉजिस्टिक्स, स्किल डेवलपमेंट तथा पर्यटन के क्षेत्रों में सिंगापुर के साथ दीर्घकालिक और परिणामोन्मुखी सहयोग के लिए तत्पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी प्रतिनिधिमंडल का दौरा दोनों पक्षों के बीच निवेश एवं साझेदारी के नए आयाम स्थापित करेगा।

छात्रवृत्ति से वंचित छात्रों को दूसरा मौका योगी सरकार फिर खोलेगी पोर्टल

प्रभात समय संवाददाता

- सामान्य, एससी-एसटी और ट्रांसजेंडर छात्रों को मिलेगा लाभ, किसी भी पात्र छात्र को नहीं रहने दिया जाएगा वंचित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में छात्र-छात्राओं के हित में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए योगी सरकार ने छात्रवृत्ति से वंचित रह गए छात्रों को बड़ा मौका देने का फैसला किया है। समाज कल्याण विभाग जल्द ही शैक्षिक सत्र 2025-26 के अंतर्गत संचालित छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के छूटे हुए छात्रों के लिए पोर्टल दोबारा खोलेगा, ताकि वे पुनः आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र छात्र केवल तकनीकी या अन्य कारणों से छात्रवृत्ति से वंचित न रह जाए।

इस योजना का लाभ सामान्य वर्ग, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ ट्रांसजेंडर समुदाय के विद्यार्थियों को भी मिलेगा, जो सामाजिक समावेशन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समाज कल्याण विभाग के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी इसी तरह की पहल के तहत पोर्टल खोला गया था, जिसके माध्यम से 53,041 छात्रों को कुल 81.12 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की गई। इनमें अनुसूचित जाति के 25,395 छात्रों को 30.65 करोड़ रुपये तथा सामान्य वर्ग के 27,646 छात्रों को 50.47 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर जरूरतमंद छात्र तक शिक्षा का लाभ पहुंचे और कोई भी छात्र आर्थिक कारणों से अपनी पढ़ाई बीच में न छोड़े। योगी सरकार की यह पहल न केवल शिक्षा के क्षेत्र में समावेशी विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

स्कूल में घुसकर प्रधानाध्यापक पर फायरिंग

पुरानी रंजिश को लेकर आरोपी नें घटना को दिया अंजाम-ग्रामीण

प्रभात समय संवाददाता

रहीमाबाद/लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के जुगराजगंज ग्राम तरौना स्थित एक निजी विद्यालय में गुरुवार को दिनदहाड़े प्रधानाध्यापक पर फायरिंग की सनसनीखेज घटना सामने आई। हमले में प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी ले जाया गया। गुरुवार को दोपहर करीब साढ़े 11 बजे प्रभावती देवी शिक्षण संस्थान में प्रधानाध्यापक अनिल कुमार सिंह 40 वर्ष पुत्र स्वः के0 पी0 सिंह अपने कार्यालय में मौजूद थे। इसी दौरान गांव का ही निवासी विजयपाल पुत्र स्वः सुखराम कार से स्कूल पहुंचा और पुरानी रंजिश के चलते स्कूल परिसर में घुसकर उन पर तमंचे से फायर कर दिया। अचानक हुई गोलीबारी से स्कूल में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि अनिल कुमार सिंह ने सूझबूझ दिखाते हुए पास रखी अलमारी का सहारा लेकर अपनी जान बचाई। गोली अलमारी के लॉकर से टकराने के बाद उनके पेट को छूती हुई निकल गई, जिससे वह घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी विजयपाल जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। दोपहर करीब 1 बजे घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रधानाध्यापक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलिहाबाद ले जाया गया, जहां प्रथमिक उपचार के बाद उन्हें बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपी विजयपाल के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं और मामले की जांच जारी है।

एक साल पहले पीड़ित ने कराया था आरोपी का इलाज

ग्रामीणों के अनुसार, करीब एक वर्ष पूर्व विजयपाल गुमटी पर पेट्रोल बेचने के दौरान झुलस गया था, जिसका इलाज स्वयं अनिल कुमार सिंह ने करवाया था। ऐसे में इस हमले के पीछे की वजह को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

कम वेतन मिलने से नाराज सीएम हेल्पलाइन कर्मियों ने किया प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। कम और समय से वेतन न मिलने से आक्रोशित सीएम हेल्पलाइन के 200 कर्मचारी गुरुवार को लखनऊ में सड़क पर उतर आए। साइबर टावर के बाहर हुए प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ कूच किया, मगर मौके भारी पुलिस बल ने उन्हें संगीत नाटक अकादमी के पास रोक दिया। इस दौरान काफी मान-मनौव्वल और कुछ कर्मियों के सीएम से मुलाकात का आश्वासन मिलने के बाद कर्मचारी शांत हुए।

साइबर टॉवर से कर्मचारी नारेबाजी करते हुए लोहिया पथ के जरिए मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर बढ़ने लगे तो मार्च के दौरान पुलिस ने कई बार उन्हें रोकने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी आगे बढ़ते रहे। हालात को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया और संगीत नाटक अकादमी के पास बैरिकेडिंग कर दी गई। इसके बाद भी जब कर्मचारी नहीं माने, तो पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर उन्हें सड़क किनारे किया।

प्रदर्शन कर रहे कर्मियों ने आरोप लगाया कि उनसे कार्यालय में मोबाइल फोन जमा करा लिए जाते हैं और तय वेतन भी नहीं दिया जा रहा। उनका कहना है कि 15 हजार रुपये मासिक वेतन का आश्वासन दिया गया था, लेकिन उन्हें केवल 7 से 8 हजार रुपये ही मिलते हैं। साथ ही, वेतन में देरी और कई बार दो महीने तक भुगतान रोकने की शिकायत भी सामने आई है।

इस दौरान करीब एक घंटे की बातचीत के बाद मामला शांत हुआ। अधिकारियों ने कर्मचारियों को समझाकर प्रदर्शन समाप्त कराया। वहीं पांच कर्मचारियों को प्रतिनिधि के रूप में मुख्यमंत्री से मिलने भेजा गया, तब जाकर प्रदर्शन समाप्त हुआ। जबकि बाकी को वापस उनके कार्यस्थल भेज दिया गया।

वाराणसी में आज से प्रारंभ होगा सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य

वाराणसी (एनडीएस संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचेंगे। सीएम योगी व मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ बीएलडब्ल्यू में सम्राट विक्रमादित्य की जीवनी पर आधारित महानाट्य का शुभारंभ करेंगे। 3 से 5 अप्रैल तक मंचन वाले इस महानाट्य का उद्देश्य देश के गौरवशाली इतिहास, विक्रम संवत की वैज्ञानिकता और उस युग के अनुपम योगदान से जनमानस को परिचित कराना है। भारतीय काल गणना की समृद्ध विरासत को पुनर्जीवित करने के इस प्रयास के अंतर्गत वाराणसी में सर्वप्रथम बाबा विश्वनाथ को वैदिक घड़ी समर्पित की जाएगी। इस घड़ी की विशेषता न केवल इसकी पारंपरिक गणना पद्धति है, बल्कि इसका डिजिटल विस्तार भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार शाम करीब 5.30 बजे वाराणसी पहुंचेंगे। शाम करीब 7 बजे वह बीएलडब्ल्यू ग्राउंड पर इस महानाट्य को देखेंगे। इसके आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान में लक्ष्य से अधिक लोन वितरित कर

वित्तीय वर्ष 2025-26 में पौने चार लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदन, जौनपुर ने मारी बाजी

- पिछले एक साल प्रदेश भर के एक लाख 45 हजार से अधिक युवाओं को वितरित किया गया लोन
- प्रदेश के युवाओं के सपनों को पंख दे रहा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकॉनमी बनाने की दिशा में लगातार आवश्यक कदम उठा रहे हैं। इसी के तहत प्रदेश के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) योजना प्रदेश के युवाओं की पहली पसंद बन गयी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रदेश भर में पौने चार लाख से अधिक आवेदन आए, जबकि योगी सरकार ने इस वित्तीय वर्ष के लिए 1.5 लाख ऋण वितरण का लक्ष्य रखा था। आंकड़ों से साफ है कि सीएम युवा योजना युवाओं को आकर्षित कर रही है और वह इससे जुड़कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है, जबकि दूसरे स्थान पर आजमगढ़ व तीसरे स्थान पर हरदोई है।

पौने चार लाख से अधिक युवाओं ने किया आवेदनः योगी सरकार प्रदेश के युवाओं को सिर्फ रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर नहीं दे रही, बल्कि उन्हें रोजगार देने वाला मजबूत उद्यमी बनने के लिए सक्षम बना रही है। इसी का असर है कि प्रदेश के युवा अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के साथ समाज में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। इसी कड़ी में सीएम युवा योजना प्रदेश के युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1.5 लाख लक्ष्य के सापेक्ष पूरे प्रदेश से 3,86,092 युवाओं ने लोन के लिए आवेदन किया। इनमें 3,30,441 आवेदनों को बैंक को अग्रसारित किया गया। 1,45,454 आवेदनों को बैंक ने लोन देने पर स्वीकृति दी। अब तक 1,38,304 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन वितरित किया जा चुका है।

जौनपुर में सबसे अधिक 4,092 युवाओं को लोन वितरित

सीएम युवा योजना का शत प्रतिशत लाभ देने में पूरे प्रदेश में जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप जिले में विशेष अभियान चलाकर युवाओं को स्वरोजगार के लिए बैंकों से संपर्क कर लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले को अभियान के तहत 2,700 युवाओं को लोन उपलब्ध कराने का लक्ष्य दिया गया था। इसके सापेक्ष 9,785 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें 8,406 आवेदन बैंकों को भेजे गए। इनमें 4,092 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। ऐसे में लक्ष्य के सापेक्ष 151.56 प्रतिशत ऋण वितरण किया गया।

आजमगढ़ में युवाओं को मिल रहा योजना का लाभ

आजमगढ़ के जिलाधिकारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में जिले के अधिक से अधिक युवाओं को सीएम युवा योजना का लाभ देने के लिए लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। योजना का लाभ देने में अप्रैल 2025 से पहले जिला 25वें स्थान पर था। अप्रैल के बाद योजना का लाभ हर जरूरतमंद युवा तक पहुंचाने के लिए ब्लॉक स्तर पर लगातार वर्कशाप आयोजित की जा रही हैं। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में बैंकर्स और आवेदकों को आमने-सामने बैठाकर काउंसिलिंग करायी जा रही है। यही वजह है कि पिछले कई माह से आजमगढ़ योजना का लाभ देने में पूरे प्रदेश में लगातार दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

झांसी, लखीमपुर-खीरी, अंबेडकरनगर, बहराइच, चित्रकूट व बलिया का भी शानदार प्रदर्शन

हरदोई के जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला कर सीएम युवा योजना का लाभ दिया जा रहा है। यही वजह है कि पूरे प्रदेश में योजना का लाभ देने में हरदोई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। हरदोई को वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2,900 ऋण वितरण का लक्ष्य दिया गया था, जिसके सापेक्ष 11,977 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 9,701 आवेदनों को बैंक भेजा गया, जिसमें 3,226 आवेदकों को लोन वितरित किया जा चुका है। इसके अलावा झांसी ने चौथा और लखीमपुर खीरी ने प्रदेश में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। योजना का लाभ देने में अंबेडकर नगर, बहराइच, चित्रकूट और बलिया का भी प्रदर्शन शानदार रहा।

तराई में आई श्वेतक्रांति से 51 हजार महिलाएं बनीं उद्यमी

विकास के पहिए ने पकड़ी रफ्तार, तराई के 1500 गांवों में फैला दूध का कारोबार

प्रभात समय संवाददाता

- हर महीने 3, 13 और 23 तारीख को आता है सभी के खाते में पैसा,तराई के छह जिलों में ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं बना रहीं रिकॉर्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तराई और आसपास के क्षेत्र अब महिला सशक्तीकरण और आर्थिक क्रांति का नया केंद्र बन चुके हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आई श्वेतक्रांति ने बरेली, लखीमपुर खीरी, पीलीभीत, शाहजहांपुर, सीतापुर और रामपुर जैसे जिलों की दिशा और दशा बदल दी है। यहां 1500 गांवों में फैले दुग्ध व्यवसाय के जरिए 51 हजार महिलाएं उद्यमी बनकर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। इन सभी महिलाओं के खाते में हर महीने 03, 13 और 23 तारीख को पैसा आ जाता है।

सृजनी एमपीसीएल के नेतृत्व में तराई के इन जिलों में अब हर सुबह दूध संग्रहण किया जाता है, जहां महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से उत्पादन से लेकर संग्रहण और विपणन तक की पूरी जिम्मेदारी संभाल रहीं हैं। परिणामस्वरूप क्षेत्र में प्रतिदिन एक लाख लीटर से अधिक दूध का कारोबार हो रहा है और अब तक महिलाएं सवा दो सौ करोड़ रुपये से ज्यादा का व्यवसाय कर चुकीं हैं। जो क्षेत्र पहले विकास की दौड़ में पिछड़े माने जाते थे, वहीं योगी सरकार के कार्यकाल में अब महिलाओं की मेहनत से नई आर्थिक पहचान बन रही है और गांव-गांव में रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं।

इस परिवर्तन के पीछे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसने महिलाओं को प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने का काम किया। इसी का परिणाम है कि महिलाएं अब केवल सहयोगी नहीं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था की प्रमुख संचालक बन गईं हैं।

प्रदेश स्तर पर भी यह बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। उत्तर प्रदेश आज दुग्ध उत्पादन में देश में अग्रणी बन चुका है, जहां ग्रामीण महिलाएं प्रतिदिन लगभग 10 लाख लीटर दूध का संग्रहण कर रहीं हैं। 31 जिलों में महिलाओं ने पांच हजार करोड़ रुपये का कारोबार किया है और छह हजार से अधिक गांवों में इस मॉडल ने अभूतपूर्व सफलता हासिल की है।

तराई की यह श्वेतक्रांति केवल आर्थिक उन्नति की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी सशक्त उदाहरण है। महिलाएं अब आत्मनिर्भर बनकर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति दे रही हैं।

समाज को जोड़ने और भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम बना था आकाशवाणीः मुख्यमंत्री

प्रभात समय संवाददाता

- योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों व आकाशवाणी के वरिष्ठ लोक सेवा प्रसारकों को किया सम्मानित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ आकाशवाणी की 88 वर्ष की यात्रा को शानदार बताया है। उन्होंने कहा कि हमारे बचपन में स्मार्टफोन-टेलीविजन नहीं थे। लैंडलाइन फोन भी एकाध ही थे, उस समय सबसे पहली आवाज आकाशवाणी की सुनी थी। सुबह आकाशवाणी का कार्यक्रम भरत चले चित्रकूट धुन से प्रारंभ होता था। हम लोगों ने बचपन में सुना और देखा कि आकाशवाणी समाज को जोड़ने और भारत की आस्था को सम्मान देने का माध्यम बना। समाचार पत्रों की हेडलाइंस भी अलग-अलग समय में चलने वाले बुलेटिनों के माध्यम से पता चलती थी। उसमें भाषा की शुद्धता, समाचार की गुणवत्ता और सच्चाई भी झलकती थी। कहीं भी पीत पत्रकारिता नजर नहीं आती थी। जो जैसा है, वैसा प्रस्तुत करने का साहस था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को आकाशवाणी लखनऊ के 89वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम योगी ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित विभूतियों और आकाशवाणी के वरिष्ठ लोक सेवा प्रसारकों को भी सम्मानित किया। इस दौरान आकाशवाणी लखनऊ की यात्रा पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई।

विभिन्न बोलियों के जरिये लोगों को जोड़ने का माध्यम बना आकाशवाणीः सीएम योगी ने कहा कि उस समय आकाशवाणी के मुख्य केंद्र लखनऊ के साथ ही नजीमाबाद और गोरखपुर केंद्र से समाचार सुनने को मिलते थे। आकाशवाणी ने हिंदी की उप भाषाओं तथा भोजपुरी, अवधी, गढ़वाली, कुमाऊंनी समेत अलग-अलग बोलियों के जरिये स्थानीय लोगों को जोड़ने का एक माध्यम बनाया। आकाशवाणी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि ज्ञानवर्धन, आस्था का सम्मान व स्थानीय लोकभाषाओं-लोककलाओं के लिए सशक्त मंच भी था।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' की भी चर्चाः सीएम योगी ने कहा कि आज हम लोग आकाशवाणी पर प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' सुनते हैं। यह कार्यक्रम 3 अक्टूबर 2014 से प्रारंभ हुआ। अब तक इसके 132 एपिसोड हो चुके हैं। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में क्या विशिष्ट हो रहा है।

अनेक आंदोलनों का साक्षी रहा है आकाशवाणीः सीएम योगी ने कहा कि आकाशवाणी अनेक आंदोलनों का साक्षी भी रहा है। देश की आजादी, भारत छोड़ो आंदोलन, विभाजन की त्रासदी, स्वतंत्रता का आनंद, संविधान अंगीकार-लागू करने का प्रयास, देश की पहली सरकार के गठन की प्रक्रिया और आपातकाल को भी आकाशवाणी ने महसूस किया है। आजादी के बाद सबसे बड़े सांस्कृतिक आंदोलन (राम जन्मभूमि) का लाइव प्रसारण भी आकाशवाणी ने किया।

'लाल आतंकवाद' से मुक्ति

'लाल आतंकवाद' से मुक्ति भारत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उन हजारों लोगों की कुर्बानी का परिणाम है, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। यह देश के लिए एक अवसर भी है कि वह एक अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और विकसित समाज की दिशा में आगे बढ़े। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों, नीतियों और विकास के माध्यम से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। भारत ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिसे आने वाले समय में और मजबूत करना होगा।

भारत में नक्सलवाद, जिसे अक्सर 'लाल आतंकवाद' या 'वामपंथी उग्रवाद' कहा जाता है, लगभग छह दशकों तक देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ी चुनौती बना रहा। हाल ही में केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा लोकसभा में यह घोषणा की गई कि भारत अब लगभग नक्सल-मुक्त हो चुका है। यह घोषणा केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक लंबे, जटिल और बहुआयामी संघर्ष का परिणाम है, जिसमें सुरक्षा बलों, सरकारों और समाज के विभिन्न वर्गों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी क्षेत्र से हुई थी। इस आंदोलन का नेतृत्व चारु मजूमदार और कानू सान्याल जैसे वामपंथी नेताओं ने किया। शुरुआत में इसे किसानों, भूमिहीनों और आदिवासियों के अधिकारों के संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया गया। आंदोलन के मूल में आर्थिक असमानता, भूमि वितरण में अन्याय और शोषण जैसे मुद्दे थे। हालांकि समय के साथ यह आंदोलन अपने घोषित वैचारिक उद्देश्यों से भटकता गया और एक हिंसक उग्रवाद का रूप ले बैठा। नक्सलवाद ने देश के लगभग 150 जिलों तक अपनी जड़ें फैला ली थीं। इन क्षेत्रों को 'रेड कॉरिडोर' के नाम से जाना जाने लगा। यह इलाका देश के करीब 17 प्रतिशत भूभाग और 12 करोड़ से अधिक आबादी को प्रभावित करता था। इन इलाकों में हिंसा, भय और अस्थिरता का माहौल बना रहता था। नक्सलियों द्वारा किए गए हमलों में हजारों निर्दोष नागरिकों की जान गई, जबकि हजारों सुरक्षाकर्मी भी शहीद हुए। आंकड़ों के अनुसार, नक्सल हिंसा में 7500 से अधिक निर्दोष लोगों की हत्या की गई और लगभग 5000 सुरक्षा बलों के जवानों ने अपने प्राण गंवाए। इसके अलावा, हजारों युवाओं को इस आंदोलन में शामिल किया गया, जिनमें से कई ने अपनी जान गंवाई। यह सवाल उठता है कि क्या यह वास्तव में सामाजिक न्याय और समानता के लिए लड़ा जाने वाला आंदोलन था, या फिर हिंसा और अराजकता का एक माध्यम बन गया था? सरकार ने नक्सलवाद से निपटने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई। इसमें सुरक्षा अभियानों के साथ-साथ विकास कार्यों पर भी जोर दिया गया। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को उन क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया, जहां पहले सरकारी पहुंच बहुत सीमित थी। साथ ही, नक्सलियों को मुख्यधारा में लाने के लिए आत्मसमर्पण और पुनर्वास योजनाएं भी चलाई गईं। इन प्रयासों का परिणाम धीरे-धीरे सामने आने लगा। सुरक्षा बलों ने कई बड़े अभियानों को अंजाम दिया, जिनमें सैकड़ों नक्सली मारे गए, हजारों गिरफ्तार हुए और बड़ी संख्या में लोगों ने आत्मसमर्पण किया। हाल के वर्षों में नक्सल हिंसा में उल्लेखनीय कमी आई है। जिन इलाकों में पहले नक्सलियों का दबदबा था, वहां अब विकास की गतिविधियां तेज हो गई हैं।

हालांकि, इस संघर्ष के दौरान कई विवाद भी सामने आए। विपक्ष और मानवाधिकार संगठनों ने कुछ मुठभेड़ों और कार्रवाइयों पर सवाल उठाए। उनका आरोप रहा कि कुछ मामलों में निर्दोष लोगों को भी निशाना बनाया गया। यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न है कि सुरक्षा और मानवाधिकारों के बीच संतुलन कैसे बनाए रखा जाए। नक्सलवाद के समर्थन में खड़े होने वाले एक वर्ग की भी चर्चा होती रही है, जिसे अक्सर 'अरबन नक्सल' कहा जाता है। इस वर्ग में कुछ बुद्धिजीवी, लेखक, पत्रकार और अन्य पेशेवर शामिल बताए जाते हैं, जो नक्सल विचारधारा के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इस पर भी व्यापक बहस होती रही है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के बीच की रेखा कहां खींची जानी चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि जिन मुद्दों को लेकर नक्सल आंदोलन शुरू हुआ था–जैसे गरीबी, बेरोजगारी, भूमि विवाद और सामाजिक असमानता–वे आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। इसलिए यह जरूरी है कि नक्सलवाद के खत्म होने के साथ-साथ उन मूल समस्याओं का भी समाधान किया जाए, जो इस तरह के आंदोलनों को जन्म देती हैं। आज जब देश लगभग नक्सल-मुक्त होने की स्थिति में है, तब यह केवल सुरक्षा बलों की जीत नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की भी सफलता है। यह दिखाता है कि संवाद, विकास और सख्त कार्रवाई–इन तीनों के संतुलित प्रयोग से जटिल समस्याओं का समाधान संभव है। फिर भी, यह कहना जल्दबाजी होगी कि खतरा पूरी तरह टल गया है। किसी भी उग्रवादी विचारधारा के अवशेष समाज में बने रह सकते हैं। इसलिए सतर्कता और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। सरकार को चाहिए कि वह विकास की गति को बनाए रखे और उन क्षेत्रों में विशेष ध्यान दे, जहां कभी नक्सल प्रभाव रहा है। अंततः, 'लाल आतंकवाद' से मुक्ति भारत के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उन हजारों लोगों की कुर्बानी का परिणाम है, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई। यह देश के लिए एक अवसर भी है कि वह एक अधिक समावेशी, न्यायपूर्ण और विकसित समाज की दिशा में आगे बढ़े। इस पूरे घटनाक्रम से यह स्पष्ट होता है कि केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विचारों, नीतियों और विकास के माध्यम से ही स्थायी शांति स्थापित की जा सकती है। भारत ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिसे आने वाले समय में और मजबूत करना होगा।

भौतिक-प्राकृतिक अस्थिरता में शांति का उपाय

भारत सहित दुनिया के किसी भी देश के लिए, केवल इस आवश्यकता आधारित सत्य को आत्मसात करते हुए, कि ईरान का समुद्री क्षेत्र तेल व गैस की आपूर्ति का अग्रणी क्षेत्र है, युद्ध में उलझे हुए ईरान को केवल पीड़ित समझना ही न्यायोचित नहीं हो सकता। हां, ये अवश्य ही दु:खद है कि इजरायल–अमरीका के हमलों में वहां अनेक निर्दोष लोग असमय मारे गए हैं, किंतु दूसरी ओर एक अन्य कटु व तीक्ष्ण सत्य भी खड़ा है कि ईरान ने आतंकवादियों का वर्षों से पालन–पोषण व संरक्षण किया है। भारत सहित दुनिया के किसी भी देश के लिए, केवल इस आवश्यकता आधारित सत्य को आत्मसात करते हुए, कि ईरान का समुद्री क्षेत्र तेल व गैस की आपूर्ति का अग्रणी क्षेत्र है, युद्ध में उलझे हुए ईरान को केवल पीड़ित समझना ही न्यायोचित नहीं हो सकता।

विकेश कुमार बडोला

किस-किस पर ध्यान दूं? मेरे एवं देश-दुनिया के अधिसंख्य सज्जनों के प्राकृतिक स्वास्थ्य को खराब करते विषैले, कृत्रिम व रसायनमिश्रित खाद्यान्न पर अथवा इसके उत्पादन से लेकर वितरण तक में लगे शासकीय तथा अशासकीय तंत्र पर, प्रकृति को ध्वस्ताधूत कर चुके विज्ञान, आधुनिकता एवं प्रगति की विभीषिकाओं पर, संसार का त्याग कर संन्यास मार्ग पर प्रशस्त होने को आतुर सज्जन के लिए अनुपलब्ध प्राकृतिक परिवेश पर, विद्यमान अति विकृत आसमान, धरती, वायु, जल तथा अग्नि पर, इतना कुछ अस्थिर, अव्यवस्थित व ध्वस्त होने के बाद परास्त पड़े समाज पर, विनाश के कगार पर पहुंचे परिवारों पर, सादगी से जीने को लालायित प्राकृतिक-आधुनिक बर्बादी के पाटों के बीच फंसे सज्जनों पर, रचनात्मक कार्यों को करते जाने की गहन पिपासा होने के बाद भी देशी-विदेशी तंत्र द्वारा आरोपित अर्थव्यवस्था में अपनी जेब, नौकरी, रोजगार व जीविका बचाने पर, अपनी रचनात्मकता के बीमार होने तथा उसके धीरे-धीरे मृत्यु की ओर बढ़ने पर, ना चाहते हुए भी स्वयं को आधुनिकता के विषैले-कसैले दलदल में फंसते जाते हुए देखने की विवशताओं पर, धर्म पर, आस्था पर, आस्तिकता पर, नास्तिकता पर, ईश्वर पर, शैतान पर, आखिर मैं अपना ध्यान कहां व किस पर लगाऊं कि मुझे खुशी के साथ जीने का एहसास हो! संभवतः कुछ भी नहीं बचा है, जो दृढ़ संवेदनशील मनुष्य को आनंद के साथ जीते रहने के लिए प्रेरित, आत्मप्रेरित करे। कोई कितना ही सकारात्मक, संवेदनशील, आस्तिक या सहनशील हो, लेकिन जब वह अपने चारों ओर फैले आसमान, धरती, समुद्र, पर्वतों-पठारों, वन-वनस्पतियों, हवा, पानी, सूर्य-चंद्रमा, तारकों, अन्य सजीव-निर्जीव प्राकृतिक तत्वों, शासन, शासकों, व्यवस्थाओं, समाज, परिवार, अधिसंख्य मनुष्यों को दुर्गुणों के कठोर जहर में डूबा हुआ देखता है, तो फिर उसके जीने का क्या आसरा होगा! शायद कुछ भी नहीं। इसीलिए पढ़ा, सुना व देखा गया कि कई लोग जो शासकीय, सामाजिक व पारिवारिक दायित्वों के साथ जी रहे थे, अकस्मात आत्महत्या कर लेते हैं। खत्म होने के बहाने के रूप में भले ही उन्होंने आत्महत्या की हो, किंतु देश-दुनिया के पागलपन में जीते हुए भी वे मरे के समान ही हो चुके होंगे। अतः उन्होंने आत्महत्या कर ली हो अथवा आत्महत्या करने से पहले वे जीते जी बुरी तरह मर रहे हों, दोनों स्थितियों में कोई विशेष अंतर तो नहीं है। तो उनकी आत्महत्या के लिए उन्हें दोषी बताएं अथवा जीते जी उन्हें मौत से भी अधिक कठोर ढंग से मारते रहे देश-दुनिया के विज्ञान, शासन, समाज व परिवार तंत्र को दोष दें। और उन्हें दोषी ठहराने अथवा न ठहराने के लिए मनुष्य है ही कहां धरती पर अब। सब तो मशीनी रोबोट बने हुए हैं। ऐसे रोबोटों पर किसी के जीने, मौत के कष्टों के साथ जीने अथवा अपने आप

मरने या आत्महत्या करने के बाद मरने से क्या फर्क पड़ता है। दुनिया सदैव से ऐसे ही रही होगी। इसका अंदाजा लगाना अब कठिन नहीं है। संभवतः दुनिया में ज्यादातर मनुष्य हमेशा से ही दुष्ट रहे होंगे। उन्हीं की अनावश्यक महत्त्वाकांक्षाओं की प्रतिक्रिया में दुनिया को प्राकृतिक, शासकीय, सामाजिक तथा वैज्ञानिक अभिशापों का दंश झेलना पड़ा है। वर्तमान में तो यह दंश विषदंश बना हुआ है। कभी यह प्रकृति की कठोरतम विकृतियों के स्वरूप में सम्मुख है तो कभी देशों के मध्य भयंकर युद्धों के रूप में। इस बार वर्ष 2026 की बसंत ऋतु, भारतीय हिंदू नववर्ष, नवरात्रियां, रामनवमी, सभी उत्सव मौसम की अद्वितीय उठापटक के अधीन रहे। पहली व दूसरी नवरात्रियां तेज वर्षा, अंधड़-तूफान व तुषारापात की चपेट में थीं। तीसरी-चौथी नवरात्रियों के समय लघु अवधि तक जलवायु संतुलित थी। फिर रामनवमी तक और उसके बाद भी मौसम रूठे हुए शैतान बच्चे की तरह हरकतें करता रहा। कलियुग के एक बड़े लक्षण के बारे में पढ़ा था कहीं, कि इस युग में अनावश्यक तेज हवाएं चलेंगी। पिछले कई वर्षों से ऐसे हो भी रहा है। इस बार भी, वर्ष की सर्वाधिक अनुकूल, सुंदर तथा शांत-संतुलित रहने वाली बसंत ऋतु में चारों दिशाओं से न केवल तेज हवाएं चलीं, तूफान-अंधड़ आए, बारिश-बर्फबारी हुई अपितु ठंड-गर्म की मार भी पड़ी। यदि मनुष्य बसंत ऋतु में भी प्रकृति के इस विकृत तांडव पर ध्यान नहीं लगा पा रहा है और आधुनिकता की अंधी-लूली-लंगड़ी-कोढ़ी-रोगी दौड़ के साथ ही मशीनी लगाव रख रहा है, तो ऐसे अधिकतर मनुष्यों से भरी ये दुनिया चाहे युद्धों के विस्फोट में खत्म हो अथवा प्रकृति के प्रलय में बहे, क्या फर्क पड़ता है। दोनों ही तरह से अखिल धरती के विनाश की भूमिका तैयार है। बस केवल समय की बात है। जिस समय पूरी बर्बादी होगी और उसे देखने, भोगने, सुनने, जानने, लिखने के लिए कोई भी इनसान नहीं होगा, वह समय निरंतर समीप आ रहा है। भारत के संदर्भ में एक सामाजिक सिद्धांत आत्मनिर्भर होने के लिए सदैव ही उद्घोषित होता रहा है। वह है स्वराज का सिद्धांत। आज पश्चिमी एशिया में युद्ध की परिस्थितियों में स्वराज की धारणा एक प्रश्न उठाती है कि ईंधन, विद्युत तथा ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर होकर प्रगति करने की अपेक्षा, देश ने ऐसे मुसलिम देशों के तेल-गैस के स्रोतों पर अपनी प्रगति व आधुनिकता की व्यवस्था क्यों टिकाई, जो आतंकवाद सहित, येन-केन-प्रकारेण अनेक कारणों से हिंसा, आतंक व लड़ाई को सदियों से एक व्यर्थ जरूरत बनाए हुए हैं।

भारत सहित दुनिया के किसी भी देश के लिए, केवल इस आवश्यकता आधारित सत्य को आत्मसात करते हुए, कि ईरान का समुद्री क्षेत्र तेल व गैस की आपूर्ति का अग्रणी क्षेत्र है, युद्ध में उलझे हुए ईरान को केवल पीड़ित समझना ही न्यायोचित नहीं हो सकता। हां, ये अवश्य ही दु:खद है कि इजरायल-अमेरिका के हमलों में वहां अनेक निर्दोष लोग असमय मारे गए हैं, किंतु दूसरी ओर एक अन्य कटु व तीक्ष्ण सत्य भी खड़ा है कि ईरान ने उन आतंकवादियों का वर्षों से पालन-पोषण व संरक्षण क्यों किया है, जो फिलीस्तीन के माध्यम से इजरायल के निर्दोष लोगों व बच्चों की लोमहर्षक हत्या के दोषी हैं। इस विषय के अतिरिक्त मन के अंदर, घर के अंदर, परिवार-समाज में, देश-दुनिया में अनेक विषय हैं, जो सुख का पर्याय बनने की तुलना में दु:ख व पीड़ा का ही कारण बनते रहे हैं और निरंतर बन रहे हैं। उन पर ध्यान लगाऊं? अथवा अपनी मरणासन्न इच्छाशक्ति, स्मृतिशक्ति, मानवीयशक्तियों की धीरे-धीरे हो रही मृत्यु पर केंद्रित रहूं? एक एकल व्यक्ति के लिए तो प्रथम आवश्यकता, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता अपनी काया, मन व आत्मा को स्वस्थ बनाने की होनी चाहिए। यदि उसकी एकमात्र काया, मन व आत्मा स्वस्थ नहीं होंगे तो फिर परिवार, गली-मोहल्ले, समाज, राज्य, देश व दुनिया में कुछ भी होता रहे, उस पर चिंतन-मनन करते हुए कोई विचार करने की शक्ति ही उसमें नहीं रहेगी। अतः निष्कर्ष ये है कि सज्जनता, संवेदनशीलता, प्राकृतिक कर्मनिष्ठा में विश्वास करने वाले हरेक व्यक्ति को निजी काया, मन व आत्मा के स्वास्थ्य का विकास करना चाहिए। इसी पर उसे अपना ध्यान लगाना चाहिए। भौतिक व प्राकृतिक रूप में अस्थिर दुनिया में कुछ शांतिगत ठहराव पाने का यही एकमात्र उपाय है।

नया आयकर अधिनियम: आसान व्यवस्था या नई चुनौती?

आशुतोष कुमार

1 अप्रैल से लागू हुआ आयकर अधिनियम, 2025 देश की कर व्यवस्था में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है। सरकार ने इसे सरलता, पारदर्शिता और आधुनिकता की दिशा में उठाया गया कदम बताया है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह बदलाव वास्तव में आम करदाता के लिए राहत लेकर आएगा या केवल ढांचे तक सीमित रह जाएगा?

सच यह है कि पुराना आयकर कानून अपनी जटिलताओं के कारण लंबे समय से आलोचना के केंद्र में रहा है। बार-बार के संशोधन, कठिन भाषा और बिखरे प्रावधानों ने इसे आम आदमी की पहुंच से दूर कर दिया था। ऐसे में नए अधिनियम का उद्देश्य इस जटिलता को समाप्त करना है–यह एक स्वागतयोग्य पहल है। 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रिवियस ईयर' जैसे उलझाऊ शब्दों को हटाकर 'टैक्स ईयर' की सरल अवधारणा लाना इस दिशा में एक व्यावहारिक कदम है। इससे यह संकेत मिलता है कि सरकार अब करदाता की समझ को केंद्र में रखकर सोच रही है, न कि केवल प्रशासनिक सुविधा को। हालांकि, केवल भाषा और संरचना में बदलाव से ही पूरी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। कर व्यवस्था की असली चुनौती उसके क्रियान्वयन में होती है। यदि जमीनी स्तर पर वही पुरानी प्रक्रियाएं, देरी और अनावश्यक हस्तक्षेप जारी रहते हैं, तो नया अधिनियम भी अपने उद्देश्य को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाएगा। डिजिटल प्रावधान–जैसे फ़ेसलेस असेसमेंट और ऑनलाइन अनुपालन–निश्चित रूप से पारदर्शिता बढ़ाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन इसके साथ यह भी जरूरी है कि तकनीकी ढांचा मजबूत हो और आम करदाता, खासकर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में, इसके उपयोग के लिए सक्षम बनाया जाए। अन्यथा, यह सुविधा कहीं नई कठिनाई न बन जाए। वर्चुअल डिजिटल एसेट्स को कर के दायरे में लाना समय की मांग थी, और यह कदम दर्शाता है कि सरकार बदलती अर्थव्यवस्था को समझ रही है। लेकिन इसके लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश और जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है, ताकि करदाता अनजाने में किसी जटिलता में न फंसें। यह भी ध्यान देने योग्य है कि कर दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसका मतलब है कि सरकार फिलहाल कर संरचना को स्थिर रखते हुए व्यवस्था को बेहतर बनाने पर जोर दे रही है। यह संतुलित दृष्टिकोण माना जा सकता है, लेकिन इससे करदाताओं की तत्काल राहत की उम्मीदें सीमित भी रहती हैं। स्पष्ट है कि यह अधिनियम संभावनाओं से भरा हुआ है, लेकिन इसकी सफलता पूरी तरह इस बात पर निर्भर करेगी कि इसे किस तरह लागू किया जाता है। यदि इसे पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ जमीन पर उतारा गया, तो यह भारत की कर संस्कृति में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। अन्यथा, यह भी एक और 'सुधार' बनकर रह जाएगा, जिसका असर सीमित ही दिखाई देगा। अंततः, नया आयकर अधिनियम एक अवसर है–व्यवस्था को सरल बनाने का, करदाता का विश्वास जीतने का और आर्थिक प्रणाली को मजबूत करने का। अब जिम्मेदारी केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उसे सही मायनों में लागू करने की है।

वैश्विक भारत : उद्योगों की रफ्तार, अर्थव्यवस्था का विस्तार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज वैश्विक अर्थव्यवस्था में ऐसी शक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसकी गति, स्थिरता और विविधता ये तीनों ही उसे विशेष बनाती हैं। इस संबंध में सामने आए आर्थिक आंकड़े इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि देश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विशेष रूप से औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में दर्ज प्रगति इस व्यापक आर्थिक मजबूती का स्पष्ट संकेत है।

फरवरी 2026 में भारत की औद्योगिक वृद्धि दर बढ़कर 5.2 प्रतिशत हो गई, जो जनवरी के 4.8 प्रतिशत से अधिक है। कहना होगा कि यह वृद्धि आर्थिक गतिविधियों में निरंतरता और विस्तार का प्रमाण है। इस वृद्धि के पीछे सबसे बड़ा योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रहा, जिसने छह प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की। चूंकि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 75 प्रतिशत है, इसलिए इसका मजबूत प्रदर्शन पूरी औद्योगिक अर्थव्यवस्था को गति देता है।

वस्तुतः मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की यह प्रगति आज कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह उत्पादन क्षमता में वृद्धि को तो दर्शाती ही है, साथ में रोजगार सृजन की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत जैसे युवा देश में, जहां हर वर्ष लाखों छात्र इंजीनियरिंग और तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर कार्यक्षेत्र में प्रवेश करते हैं, वहां यह क्षेत्र गुणवत्तापूर्ण रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम बनता जा रहा है। फरवरी 2026 में मैन्युफैक्चरिंग के 23 उद्योग समूहों में से 14 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज होना इस क्षेत्र की व्यापक मजबूती को दर्शाता है।

विशेष रूप से बुनियादी धातु, मोटर वाहन और मशीनरी एवं उपकरण जैसे क्षेत्रों में दोहरे अंकों की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारत का औद्योगिक ढांचा अब अधिक परिपक्व और प्रतिस्पर्धी हो रहा है। बुनियादी धातु क्षेत्र में वृद्धि से निर्माण और अवसंरचना को बल मिलता है, जबकि ऑटोमोबाइल और मशीनरी क्षेत्र कृषि, परिवहन और उद्योगों की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। खनन और बिजली क्षेत्र भी इस विकास यात्रा में पीछे नहीं हैं। फरवरी में खनन क्षेत्र में 3.1 प्रतिशत और बिजली उत्पादन में 2.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ये दोनों क्षेत्र औद्योगिक गतिविधियों की रीढ़ माने जाते हैं और इनमें वृद्धि का अर्थ है कि उत्पादन के लिए आवश्यक कच्चा माल और ऊर्जा की उपलब्धता सुनिश्चित हो रही है।

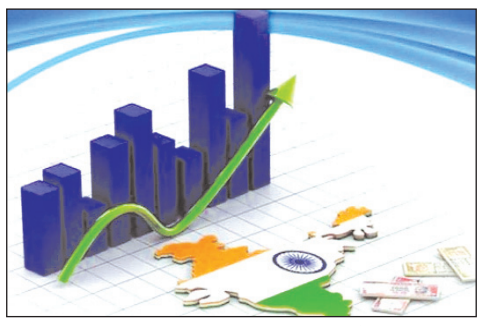

इसके अलावा उपयोग-आधारित वर्गीकरण के आंकड़े भारत की अर्थव्यवस्था के भीतर हो रहे संरचनात्मक परिवर्तन को उजागर करते हैं। पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में 12.5 प्रतिशत की वृद्धि यह दर्शाती है कि उद्योगों में निवेश बढ़ रहा है। मशीनों और उपकरणों का अधिक उत्पादन इस बात का संकेत है कि उद्योग विस्तार की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, जिससे भविष्य में उत्पादन, आय और रोजगार में और वृद्धि होगी। इसी प्रकार उपभोक्ता वस्तुओं, विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक सामान, रेफ्रिजरेटर और टीवी के उत्पादन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि यह स्पष्ट करती है कि देश में मांग का स्तर बढ़ रहा है। यह बढ़ती आय, मध्यम वर्ग के विस्तार और उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत है। जब उपभोक्ता खर्च बढ़ता है, तब यह पूरे आर्थिक चक्र को गति देता है, उत्पादन बढ़ता है, रोजगार सृजित होते हैं और निवेश को प्रोत्साहन मिलता है। यहां उल्लेखित है कि भारत की आर्थिक मजबूती का एक अन्य प्रमुख आधार सरकार द्वारा अवसंरचना क्षेत्र में किया जा रहा भारी निवेश है। राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे परियोजनाओं में लगातार बढ़ते निवेश के कारण अवसंरचना और निर्माण सामग्री क्षेत्र में फरवरी में 11.5 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। निश्चित ही यह उस दीर्घकालिक दृष्टि का परिणाम है, जिसके तहत सरकार देश को एक मजबूत लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी नेटवर्क प्रदान कर रही है। इन परियोजनाओं का प्रभाव बहुआयामी है। एक ओर ये बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करती हैं, वहीं दूसरी ओर उद्योगों के लिए लागत कम करती हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाती हैं। बेहतर सड़क और रेल नेटवर्क से माल परिवहन तेज और सस्ता होता है, जिससे निर्यात को भी बढ़ावा मिलता है। यदि व्यापक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में देखें, तो भारत की अर्थव्यवस्था कई अन्य सकारात्मक संकेत भी दे रही है। देश की जीडीपी वृद्धि दर विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक भी भारत को आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में देख रहे हैं। भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) का प्रवाह लगातार बना हुआ है, जो वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है। 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' और 'पीएलआई (उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन)' जैसी योजनाओं ने मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात को नई दिशा दी है। इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, रक्षा उत्पादन और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। साथ में देखने में आ रहा है कि डिजिटल अर्थव्यवस्था भी भारत की ताकत का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरी है। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) जैसे प्लेटफॉर्म ने लेन-देन को सरल और पारदर्शी बनाया है। इससे न सिर्फ वित्तीय समावेशन बढ़ा है, बल्कि छोटे और मध्यम उद्यमों को भी नई ऊर्जा मिली है।

महंगाई पर नियंत्रण और वित्तीय अनुशासन भी भारत की आर्थिक स्थिरता को मजबूत बनाते हैं। सरकार द्वारा संतुलित राजकोषीय नीति और भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीतियों ने अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां मौजूद हैं, जैसे भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव फिर भी यहां अच्छी बात यह है कि भारत ने अपनी नीतिगत दृढ़ता और आंतरिक मांग के बल पर इनका प्रभाव सीमित रखा है। अंततः, फरवरी 2026 के भारत का औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) आंकड़े सिर्फ एक महीने की उपलब्धि न होकर यह उस निरंतर प्रयास और नीति-निर्माण का परिणाम हैं, जोकि भारत को एक मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

जिलाधिकारी ने लू और सूखा से निपटने के लिए बनाई रणनीति, विभाग को बांटी जिम्मेदारी

प्रभात समय संवाददाता

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वाधान में गुरुवार को स्टेट हीट वेव एक्शन प्लान2026 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सूखा संबंधी बैठक सम्पन्न हुई।

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में विभागों के अधिकारियों को लू (हीट वेव) से बचाव एवं राहत कार्यों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में संभावित लू-प्रकोप को देखते हुए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा आमजन को जागरूक करने के साथ-साथ आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।डीएम ने बैठक

में स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया कि जिला चिकित्सालय में एक वार्ड तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 4-4 बेड हीट वेव के मरीजों हेतु आरक्षित किए जाएं। कूल रूम की व्यवस्था, 108 एम्बुलेंस सेवा की सक्रियता, ओआरएस एवं आवश्यक दवाओं का पर्याप्त भंडारण तथा सभी स्वास्थ्य केन्द्रों को 247 क्रियाशील रखा जाए। साथ ही सन स्ट्रोक से बचाव के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए एवं मृत्यु के मामलों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने परिवहन विभाग को बस स्टैंडों पर प्राथमिक चिकित्सा, पेयजल एवं छाया की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा हीट वेव से बचाव संबंधी प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने पशुपालन विभाग को पशुओं की सुरक्षा के लिए हीट वेव एक्शन प्लान लागू करने, पशुपालकों को जागरूक करने, पानी की व्यवस्था एवं टीकाकरण कार्य नियमित रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

उन्होंने सूचना विभाग को सोशल मीडिया एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से हीट वेव से बचाव संबंधी एडवाइजरी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने मनरेगा विभाग को श्रमिकों के कार्य समय में परिवर्तन कर दोपहर 12:00 से 3:00 बजे तक कार्य रोकने, कार्यस्थलों पर पेयजल एवं छाया की व्यवस्था तथा सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने वन विभाग को सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण, जंगलों में आग से बचाव तथा वन्य जीवों के लिए जल स्रोतों के प्रबंधन के निर्देश दिए गए।अग्निशमन विभाग को सभी इकाइयों को 247 सक्रिय रखने, फायर ऑडिट पूर्ण करने, संसाधनों का विवरण उपलब्ध कराने तथा ग्रामीण स्तर पर अग्नि सुरक्षा के लिए लोगों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए गए।

शिक्षा विभाग को विद्यालयों के समय में परिवर्तन करने, पेयजल एवं पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव का प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए गए। साथ ही नगर निकायों को सार्वजनिक स्थलों पर कूलिंग सेंटर, प्याऊ एवं शीतल जल की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष प्रबंध करने के निर्देश दिए गए।

कानपुर किडनी कांड : दो ओटी टेक्नीशियन गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। कानपुर में अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट मामले में पुलिस ने दो ओटी टेक्नीशियन को गुरुवार को कल्याणपुर के दलहन क्रासिंग से गिरफ्तार किया है। रविवार को आहूजा नर्सिंग होम में हुए किडनी ट्रांसप्लांट वाले दिन दोनों आरोपित राजधानी दिल्ली से फ्लाइट के जरिए कानपुर पहुंचे थे। दोनों एक केस के 35 से 40 हजार रुपये लेते थे। पुलिस आरोपितों से गहनता से पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कुलदीप सिंह राघव और राजेश कुमार के रूप में हुई है। कुलदीप हापुड़ का रहने वाला है और गाजियाबाद स्थित शांतिगोपाल नर्सिंग होम में कार्यरत है, जबकि राजेश कुमार गाजियाबाद का निवासी है और नोएडा के सर्वोदय हॉस्पिटल में काम करता है।

पूछताछ में सामने आया है कि दोनों आरोपित हर अवैध ऑपरेशन के लिए 35 से 40 हजार रुपये लेते थे। वे दिल्ली से फ्लाइट के जरिए कानपुर पहुंचे थे और ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण व दवाइयां उपलब्ध कराते थे। पुलिस को शक है कि यह रैकेट पहले सामने आए अंतरराष्ट्रीय किडनी माफिया नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए डोनर और मरीजों को जोड़ता था।

पुलिस उपायुक्त पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं और फरार डॉक्टर की तलाश के लिए टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। उन्होंने कहा कि रैकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है और पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने के लिए जांच का दायरा बढ़ाया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही इस अवैध किडनी ट्रांसप्लांट गिरोह के अन्य सदस्यों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

तीन दिन से लापता किशोरी का शव नदी में मिला, पुलिस जांच में जुटी

प्रभात समय संवाददाता

फर्रुखाबाद। नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सिरौली से लापता 15 वर्षीय किशोरी का शव काली नदी में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच तेज कर दी है। ग्राम सिरौली निवासी अजय कुमार ने 30 मार्च को थाना नवाबगंज में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि उनकी 15 वर्षीय पुत्री अंशु का गांव के ही अंशुल पाल पुत्र श्याम सिंह, कुलदीप और रोहित ने मिलकर अपहरण कर लिया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीनों आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। इसी बीच दोपहर करीब 3 बजे थाना मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम कुमौली के निकट फर्रुखाबाद-कन्नौज बॉर्डर पर काली नदी में एक किशोरी का शव उतराता हुआ दिखाई दिया। आसपास जानवर चरा रहे चरवाहों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना मोहम्मदाबाद व नवाबगंज पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया। शव की शिनाख्त अंशु पुत्री अजय कुमार निवासी सिरौली के रूप में हुई। शव मिलने की खबर से परिजनों में चीख-पुकार मच गई और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना प्रभारी राजीव कुमार नवाबगंज ने बताया कि मामले में नामजद तीनों आरोपितों को पहले पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। पूछताछ के दौरान एक मुख्य आरोपित ने किशोरी से प्रेम संबंध होने और फोन पर बातचीत की बात स्वीकार की थी। इसके बाद पुलिस ने उन्हें जांच में सहयोग की हिदायत देकर छोड़ दिया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब किशोरी का शव मिलने के बाद मामले की दिशा बदल गई है। दर्ज मुकदमे को हत्या की धारा में तरमीम करते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पूरे प्रकरण की गहनता से जांच की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश और भय का माहौल है, वहीं परिजन न्याय की मांग कर रहे हैं।

अवैध खनन का तांडव लगातार जारी, खतरे में नदियों का अस्तित्व

- गर्मी की शुरूआत होते ही शहर में गहरा सकता पेयजल का संकट
- नदियों की कोख में गरज रहीं बालू माफिया की भारी भरकम मशीनें

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। हर साल भीषण गर्मी के मौसम में जानलेवा पेयजल संकट से जूझने वाला जनपद इस बार गर्मी की शुरूआत में ही पीने के पानी के संकट से जूझने लगा है। जीवनदायिनी केन नदी अभी से नाले में तब्दील होने लगी है। अभी से शहर की पेयजल आपूर्ति के लिए केन नदी पर बने इंटक वेल सूखने लगे हैं। जानकार इन सबके पीछे एकमात्र बालू खनन को ही कारण बताते हैं। उधर लोगों की समस्याओं से बेखबर बालू माफिया धड़ल्ले से नियमों को ताक पर बालू का अवैध खनन करने में जुटे हैं। बालू माफिया प्रशासन को कमाई का मोटा हिस्सा देकर नदियों का सीना चीर रहे हैं और नदियों की जलधारा में खुलेआम प्रतिबंधित भारी भरकम मशीनरी गरज रही है। बालू माफिया हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वह खुलेआम प्रशासन को चुनौती देते हुए नदी की जलधारा पर अवैध पुल बनाकर बालू की अवैध निकासी कर रहे हैं।

जिले में इन दिनों करीब दो दर्जन से अधिक बालू की खदानें संचालित हैं और बालू खदानों में खुलेआम अवैध खनन का तांडव मचा हुआ है। अधिक से अधिक धन अर्जित करने की ललक में बालू माफिया निर्धारित खनन क्षेत्र को छोड़कर नदी की जलधारा पर भारी भरकम मशीनों के जरिए बालू की निकासी कर रहे हैं और सरकारी राजस्व के साथ ही पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। बालू खनन के मामले में जिले में चहुंओर तहलका मचा हुआ है। पैलानी क्षेत्र की खप्टिहाकलां, सांड़ी से लेकर सदर तहसील की दुरेड़ी, बेंदा तक धड़ल्ले से अवैध खनन और ओवलोडिंग का खेल खेला जा रहा है। पैलानी क्षेत्र में केन नदी पर चल रही सांड़ी खंड एक व 60 के साथ सदर तहसील की मरौली के खंड चार और छह में खुलेआम बालू का अवैध खेल चल रहा है। बालू माफिया की फोकस जीवनदायिनी केन नदी से निकलने वाले लाल सोना पर विशेष तौर पर टिका रहता है। सूत्रों की मानें तो मरौली खंड 4 के संचालक झा जहां खुद को मीडिया से जुड़ा हुआ बताकर नदी में झाड़ू लगाने का काम कर रहे हैं। वहीं मरौली की खंड संख्या 6 में पड़ोसी जनपद हमीरपुर का बालू माफिया सक्रिय है। ऐसे ही सांड़ी खंड 60 का जिम्मा एआर कांस्ट्रक्शन की अनीता शर्मा के हवाले है, वहीं सांड़ी एक में गाजियाबाद के सिंह का जलजला कायम है। सूत्र बताते हैं कि सांड़ी खदान के संचालकों ने नदी की जलधारा को रोककर अवैध पुल भी बना डाला है और प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। वर्षाकाल शुरू होने में अभी दो माह का समय शेष बचा है, ऐसे में सभी बालू खदानों के संचालक ताबड़तोड़ अवैध खनन में जुटे हैं। कई खदान संचालकों ने तो अभी से बालू का भंडारण करना भी तेज कर दिया है। ताकि वर्षाकाल में बालू की मनमाने दामों में बिक्री की जा सके। जीवनदायिनी केन सीने पर धड़ल्ले से प्रतिबंधित मशीनरी गरज रही है और शासन-प्रशासन के साथ अदालती आदेशों को भी मुंह चिढ़ा रही हैं। हालांकि बालू के अवैध खनन के लिए जितना दोषी खदान संचालक हैं, उतना ही स्थानीय प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारियों को भी माना जा रहा है। सूत्रों की माने तो अवैध बालू खनन की काली कमाई का मोटा हिस्सा स्थानीय प्रशासन तक पहुंचाकर बालू माफिया मनमानी करने की खुली छूट प्राप्त कर लेते हैं।

चकबंदी लेखपाल व 25 हजार के दो इनामी समेत चार को पुलिस ने दबोचा

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। मटौंध थाना पुलिस ने फर्जी गवाहों व विक्रेताओं के माध्यम से कूट रचित दस्तावेजों का प्रयोग कर जमीन की फर्जी रजिस्ट्री कराने वाले संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चकबंदी लेखपाल व 25 हजार के दो इनामी समेत चार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से फर्जी आधार कार्ड बनाने के उपकरण के साथ 38 लाख रुपये के विभिन्न बैंकों के चेक, रजिस्ट्री की फोटो काफी, 41 आधार कार्ड समेत अन्य कार्ड बरामद किए। इसके पहले पुलिस फर्जीवाड़े में शामिल सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। शहर कोतवाली क्षेत्र के खुटला निवासी देविया पुत्र चैतुवा ने दो माह पहले मटौंध थाने में सूचना दी गई कि 6 अगस्त 2025 को कुछ लोगों ने फर्जी दस्तावेजों व आधार कार्ड का प्रयोग कर हटेटी पुरवा स्थित लगभग 34 बीघा जमीन की फर्जी रजिस्ट्री बिजली खेड़ा निवासी आजम खान के नाम कर दी। पुलिस ने किसान की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने फर्जीवाड़े में शामिल रहे सात आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया। जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए। मटौंध थानाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह ने हमराही सिपाहियों के साथ मऊ (चित्रकूट) थाना क्षेत्र के पियरा गांव निवासी चकबंदी लेखपाल विजय प्रकाश पुत्र धर्मनारायण व 25 हजार के इनामी शहर कोतवाली क्षेत्र के बिजलीखेड़ा निवासी राजेश पुत्र मोहनलाल व मटौंध थाना क्षेत्र के करछा गांव निवासी 25 हजार के इनामी हरीकरन पुत्र नत्थू और इसी गांव के श्रीराम पुत्र राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया।

अधूरा निर्माण कार्य व खराब गुणवत्ता पर डीएम का चढ़ा पारा

- कार्यदाई संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। गो संरक्षण केंद्र मलेहरा निवादा व गोविंदपुर के स्थलीय निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य अधूरा और गुणवत्ता खराब मिलने पर जिलाधिकारी का पारा चढ़ गया। उन्होंने उपस्थित कार्यदाई संस्था अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई। साथ ही कार्यदाई संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी जे.रीभा ने गुरुवार को मलेहरा निवादा व गोविंदपुर गांव स्थित गो संरक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निर्माण कार्य अधूरा और ईंट की गुणवत्ता खराब मिलने पर जिलाधिकारी का पारा चढ़ गया। गुणवत्ता खराब मिलने पर उपस्थित

कार्यदाई संस्था अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई। कार्यदाई संस्था के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि गो संरक्षण केंद्र का निर्माण गुणवत्ता से कराया जाए। कोई कोताही न बरती जाए। खबरदार किया कि दोबारा निरीक्षण में खामियां मिलीं तो संबंधित के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। शासन की मंशा के अनुसार निर्माण कार्य गुणवत्ता और समय पर पूरा कराएं।

धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव, मंदिरों में उमड़ा आस्था का सैलाब

- सुबह से लेकर देर रात तक मंदिरों में दर्शन को लगी रहीं लंबी कतारें
- हनुमान चालीसा व सुंदर कांड के सस्वर पाठ के बीच पूजा अर्चना

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। हनुमान जन्मोत्सव का पर्व धूमधाम से मनाया गया। कीजो केसरी के लाल...मेरा छोटा सा यह काम...तुम रक्षक काहू का डर ना..जैसे भजन शहर में गूंजते रहे। संकट मोचन मंदिर, करिया नारे के हनुमान, बनका बिहारी, महावीरन, दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर समेत जिले के दर्जन भर से अधिक हनुमान मंदिरों में हनुमान जन्मोत्सव श्रृद्धा व भक्ति के साथ धूमधाम से मनाया गया। मंदिरों में दर्शन के लिये सुबह से ही हनुमत भक्तों की कतारें लगी रहीं। लोगों ने मिष्ठान व फलों का भोग लगाया। हनुमान चालीसा व सुंदर कांड का सस्वर पाठ किया। भंडारे का भी आयोजन किया गया।

'और देवता चित्त न धरई, हनुमत सेई सर्व सुख करई' गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचिव हनुमान चालीसा की इस चौपाई पर माता अंजनी के लाल हनुमानजी के भक्तों का इतना विश्वास है वे हर समय उनकी ही आराधना में तल्लीन रहना चाहते हैं। गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर के दक्षिणमुखी संकट मोचन हनुमान मंदिर में सुबह 4 बजे से ही दर्शनों के लिये भक्तों की कतार लगना शुरू हो गई। पौ फटने के बाद मंदिर के बाहर रोड तक लंबी लाइन लग गई। महिलाओं की सुरक्षा और जनसैलाब को संभालने के लिये यहां भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात रहा। श्रीरामनाम संकीर्तन मंडली की ओर से आज यहां संकीर्तन के साथ ही अनगिनत हनुमान चालीसा पाठ हुए। तमाम भक्तों ने मंदिर में आसन जमाकर सुंदर कांड का सस्वर पाठ किया। मंदिर प्रांगण में आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर प्रसाद पाया। उधर, अतर्रा रोड स्थित जमुनादास महावीरन मंदिर में भी भक्तों का सैलाब दर्शनों को टूट पड़ा। सारा दिन यहां मेले की तरह का माहौल रहा। श्रद्धालुओं की ओर से यहां भी भंडारे का आयोजन किया गया। करिया नाला किनारे के बालाजी महाराज के दर्शनों को भी भक्तों से सुबह से ही भीड़ रही। बनका बिहारी हनुमान मंदिर और तिंदवारा के दक्षिणमुखी हनुमानजी के दर्शनों के लिये भी लंबी कतारें लगी रहीं। पद्माकर चौराहा स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में भी लोगों ने भजन-पूजन किया। भंडारा में सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। रोडवेज बस स्टैंड स्थित हनुमान मंदिर में खाती बाबा समाजसेवा समिति के लोगों ने रोडवेज कर्मचारियों के सहयोग से भंडारे का आयोजन किया। श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठक प्रसाद ग्रहण किया। छोटी बाजार स्थित प्राचीन दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में सुबह विशेष आरती के साथ पूजन हुआ। दोपहर बाद भंडारा का आयोजन हुआ। देर रात तक चले भंडारा में हजारों लोगों ने पूड़ी और सब्जी का प्रसाद ग्रहण किया।

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

नरैनी कस्बे में हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान सुंदर राम-सीता व हनुमान की झांकियों के साथ रामधुन कमेटी के लोग सीताराम का गुणगान करते रहे। साथ ही डीजे की धुन में रामभक्त गीतों के साथ लोग थिरकते रहे। इस दौरान महिलाओं के हुजूम के साथ क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा भी जुलूस में शामिल हुईं। कस्बा स्थित रामलीला मैदान से होते हुए शोभा यात्रा अतर्रा मार्ग स्थित हनुमान मंदिर में खत्म हुई।

क्विक न्यूज

मृतक किसान की पत्नी को दी आर्थिक मदद

बांदा। सपा जिला उपाध्यक्ष व लोकसभा क्षेत्र प्रभारी के नेतृत्व में समाजवादियों के प्रतिनिधि मंडल ने नरैनी तहसील क्षेत्र के मोतियारी गांव पहुंचकर मृतक किसान की पत्नी को आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही मृतक आश्रितों को हर संभव मदद का भरोसा दिया। सपा नेता उमेश यादव के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल में शामिल मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता प्रमोद गुप्ता राजा, प्रो.सुनील यादव, राजेश सिंह व विपिन पटेल गुरुवार को मोतियारी पहुंचे। यहां उन्होंने मृतक किसान उद्र प्रताप यादव की विधवा को आर्थिक सहायता प्रदान की। गौरतलब है कि किसान उद्र प्रताप (46) कुछ दिन पूर्व सुबह खेत गया था, दैवीय आपदा से ग्रस्त खेत को जब देखा तो वहीं पर उसकी मृत्यु हो गई थी। मृतक अपने पीछे चार बच्चों को छोड़कर गया है जिसमें दो लड़के और दो लड़कियां हैं। मृतक को अभी तक कोई भी सरकारी सहायता नहीं मिली, इसी को ध्यान में रखते हुए समाजवादियों ने उसकी आर्थिक सहायता की और उसको हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

बाइकों की भिडंत में चाचा-भतीजे की मौत

बांदा। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के अहार गांव निवासी सुनील (26) पुत्र इंद्रपाल बुधवार की रात अपने भतीजे हिमांशू (14) पुत्र मोहन लाल के साथ बाइक से अपनी बहन की ससुराल बिसंडा थाना क्षेत्र के गिरधारी पुरवा जा रहा था। इसी थाना क्षेत्र के कैरी मोड़ के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से आमने-सामने भिडंत हो गई। चारों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को पीएचसी बिसंडा से रानी दुर्गावती मेंडिकल कालेज रेफर कर दिया। यहां सुनील और उसके भतीजे हिमांशू की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

ई-रिक्शा चालक ने जहर खाकर जान दी

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के पचनेही गांव निवासी राजू सिंह (33) पुत्र अवधेश सिंह ने बुधवार की दोपहर जहरीला पदार्थ खा लिया। जिला अस्पताल से उसे रानी दुर्गावती मेंडिकल कालेज रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत को गई। मृतक के चाचा जयराम सिंह ने बताया कि राजू ई-रिक्शा चलाता था। नशे की हालत में जहर खाकर जान दे दी।

दो ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बांदा। बिसंडा थाना क्षेत्र के बिसंडी गांव निवासी अमित (18) पुत्र बृजमोहन ने बुधवार की दोपहर सूने घर में पंखा की हुक पर रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खेत से घर लौटे परिजनों ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। मृतक चाचा राजा भइया ने बताया कि अमित दिल्ली में मजदूरी करता था। चार दिन पहले वह गांव लौटा था। उधर, देहात कोतवाली क्षेत्र के जौरही गांव निवासी शत्रुघन राजपूत (23) पुत्र दुर्गा राजपूत ने बुधवार की रात आंगन में लगे एंगल पर फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। गुरुवार को सुबह पिता ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मृतक के पड़ोसी देवीशरण ने बताया कि वह मजदूरी करता था।

वृद्धजनों की जांच के साथ चिन्हित किए गए संदिग्ध टीवी के मरीज

बांदा। जनपद में चलाए जा रहे 100 दिवसीय टीवी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नरैनी रोड स्थित वृद्धा आश्रम में टीवी जांच शिविर का आयोजन किया गया। नरैनी रोड स्थित वृद्धाश्रम में गुरुवार को आयोजित किए गए टीवी जांच शिविर जिला क्षय रोग अधिकारी डा.अजय कुमार तथा एसीएमओ डा.विजय केसरवानी की देखरेख में आश्रम के सभी वृद्धों को टीवी के लक्षणों के बारे में जानकारी दी गई, जैसे दो हफ्ते से खासी आना, मुंह से खून आना, बुखार आना, थकान होना, सीने में दर्द होना, सांस लेने में तकलीफ होना, रात में पसीना आना, गर्दन में गिल्टी, गांठ, बांझपन जैसी शिकायतों का होना प्रमुख है। शिविर में संदिग्ध टीवी मरीज चिन्हित किये गये और आवश्कतानुसार उनके बलगम की जांच अथवा हैंड हेल्ड (पोर्टबल) एक्स-रे मशीन से वृद्ध जनों का एक्सरे भी किया गया।

साइबर क्राइम : नीट-एमबीबीएस में प्रवेश के नाम पर करोड़ों की ठगी, तीन गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

सोनभद्र। जिले की साइबर क्राइम थाना ने नीट, एमबीबीएस व अच्छे मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने के नाम पर टेलीकालर के माध्यम से बच्चों से सम्पर्क कर अवैध तरीके से धन वसूली करने के मामले में लखनऊ शहर से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने गुरुवार को बताया कि एक पीड़ित छात्र द्वारा थाना साइबर क्राइम, जनपद सोनभद्र पर प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसे नीट परीक्षा के माध्यम से एमबीबीएस में दाखिला दिलाने का झांसा दिया गया। अभियुक्तों ने स्वयं को मेडिकल एडमिशन से जुड़े प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए सरकारी एवं निजी मेडिकल कॉलेजों में पक्की सीट दिलाने का दावा किया। अभियुक्तों ने पीड़ित छात्र को विश्वास में लेकर विभिन्न चरणों में कुल ?22,00,000 (बाइस लाख रुपये) की धनराशि अपने बताए गए बैंक खातों-ऑनलाइन माध्यमों में जमा करवा लिया। साइबर क्राइम थाना ने इस मामले में आइटी

एवं मुखबिर तंत्र का प्रयोग करते हुए अभियुक्तों की पहचान सुनिश्चित की गई। लगातार प्रयासों के फलस्वरूप पुलिस टीम द्वारा लखनऊ के चारबाग बस स्टैण्ड के पास जूडियो शॉपिंग माल से सटीक सूचना पर दबिश देकर तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

एसपी वर्मा ने बताया की गिरफ्तार अभियुक्तगण द्वारा पूछताछ में बताया गया कि हम लोग प्रदेश मे बड़े-बड़े कोचिंग सेन्टरों व कालेजों का डाटा लेकर परिक्षार्थियों को टेलीकालर के माध्यम से सम्पर्क करते हैं। इसके बाद परिक्षार्थियों से उनका प्रवेश सम्बंधी जानकारी अपने आप्टिमस एजुकेशन कन्सल्टेन्सी आफिस संख्या 122 चौथी मंजिल जेबी एम्पायर निकट अपोलो हास्पिटल मे मंगाते थे और बढ़िया कालेजों मे दाखिला कराने का प्रलोभन देकर हम लोग धोखाधडी करते थे।

एसपी ने बताया कि इन लोगों द्वारा करोड़ों की ठगी की गई है, जिसकी जांच चल रही है। पुलिस टीम ने इस मामले में 46 वर्षीय संचित चन्द्रा निवासी कृष्णानगर लखनऊ, 35वर्षीय विनय कुमार मौर्या निवासी कंघी टोला नेवाजगंज लखनऊ और 35 वर्षीय आकाश सिन्हा निवासी बोईगपल्ली जिला सिकन्दराबाद आन्ध्र प्रदेश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संचित चन्द्रा पर 06 अपराधिक मुकदमा, विनय कुमार मौर्य पर एक अपराधिक मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने इनके कब्जे से सात एन्ड्रॉयड मोबाइल फोन, सात अलग अलग बैंको के एटीएम कार्ड, बैंकों में धनराशि जमा करने की रसीद और एचडीएफसी बैंक का सादा चेक बरामद किया है।

चैत्र पूर्णिमा पर विंध्याचल में उमड़ा आस्था का सैलाब, मां विंध्यवासिनी के दरबार में लगी लंबी कतारें

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर में चैत्र पूर्णिमा के अवसर पर गुरुवार को विंध्याचल धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर में मंगला आरती के बाद मां मां विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। श्रद्धालुओं ने मां के दरबार में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, दर्शनार्थियों की संख्या बढ़ती गई। मध्याह्न आरती के बाद कुछ देर के लिए भीड़ कम होने पर सुरक्षाकर्मियों ने राहत की सांस ली। विंध्य कॉरिडोर के निर्माण कार्य को देखकर भक्तों ने सरकार की सराहना भी की। श्रद्धालु पहले अखाड़ा घाट, पक्का घाट और दीवान घाट पर गंगा स्नान कर कतारबद्ध होकर कॉरिडोर के माध्यम से दर्शन के लिए पहुंचे। आस्था के चलते लोग घंटों लाइन में लगे रहे। मां

विंध्यवासिनी के दर्शन के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु त्रिकोण परिक्रमा पथ स्थित अष्टभुजा मंदिर और कालीखोह मंदिर पहुंचकर भी पूजा-अर्चना की। विंध्याचल धाम, कालीखोह व अष्टभुजा मार्ग पर सजी दुकानों पर महिलाओं और बच्चों की खासा भीड़ रही। चैत्र पूर्णिमा के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन के साथ पंडा समाज के लोग भी सेवा में जुटे रहे। परिक्रमा पथ पर धूप से बचाव के लिए टेंट लगाए गए थे, वहीं मुख्य द्वार और प्रवेश प्लाजा पर शौचालय सहित अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं, जिससे श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली।

क्विक न्यूज

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाई, जांच में जुटी पुलिस

अमेठी। नगर पंचायत मुसाफिरखाना के वार्ड नंबर 4 में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है । मृतक की पहचान सूरज पाठक के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मृतक का परिवार मूल रूप से पलटन बाजार सदर कोतवाली प्रतापगढ़ का निवासी है और वर्तमान में मुसाफिरखाना के वार्ड नंबर 4 में किराये के मकान में रह रहा था। मृतक के पिता कृपा शंकर पाठक ने बताया कि उनकी पत्नी का ब्रेन हैमरेज का इलाज चल रहा है। वह सोमवार को इलाज के लिए बाहर गए थे और बुधवार को वापस लौटे। बुधवार की रात सूरज का शव घर में फांसी के फंदे से लटकता मिला। जिसके बाद परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर मुसाफिरखाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मामले की जांच की जा रही है। मुसाफिरखाना कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने गुरुवार को बताया कि सूरज नशे का आदी था और डिप्रेशन से ग्रसित था। घटना रात की है, परिजनों से सूचना मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रभु का साक्षात दर्शन होता है प्रसाद : गणेश केसरवानी

प्रयागराज। प्रसाद यानी प्रभु का साक्षात दर्शन होता है। यह बातें हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर मेडिकल कॉलेज चौराहे पर के पास आयोजित विशाल भंडारे का शुभारंभ करते हुए प्रयागराज महापौर गणेश केसरवानी ने कही। उन्होंने सभी भक्तों से कहा कि यथाशक्ति भंडारे का आयोजन कर प्रसाद का वितरण करना चाहिए, क्योंकि एक दूसरे से अपने संबंध बनाने का एक सशक्त मार्ग भी है। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर निकट मेडिकल कॉलेज चौराहे पर विशाल भंडारे का आयोजन स्थानीय लोगों के द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर पूर्व पार्षद प्रवक्ता भारतीय जनता पार्टी पवन श्रीवास्तव, पार्षद रितेश मिश्रा, पार्षद आशीष द्विवेदी, आशा देवी, भोला सिंह, विकास गुप्ता, सुरेश कुशवाहा, अजय कुमार विश्वकर्मा, राज नारायण यादव, सतीश साहू, राजा यादव, दिलीप कुमार, अवधेश शुक्ला, रंजीत, राहुल, अमरनाथ, अंकित, मनोज, शैलेश, सूर्य प्रताप, अब्दुल आदिल सहित अनेक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

ट्रैक्टर की टक्कर से बुजुर्ग किसान की मौत, चालक पर मुकदमा दर्ज

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के मुस्करा कस्बे में मंडी में गेहूं बेचने गए किसान की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश शुरू कर दी है। मुस्करा थाना क्षेत्र के अलरा गांव निवासी लल्लू सिंह (60) पिछले दिनों गेहूं बेचने मुस्करा की मंडी गया था। मंडी से वापस लौटते समय तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन गंभीर हालत में लल्लू सिंह को सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत नाजुक होने पर उसे झांसी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुरुवार को शव गांव आते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक के पुत्र शिव कुमार की तहरीर पर आज पुलिस ने ट्रैक्टर चालक मयंक राजपूत के खिलाफ मुकदमा लिखाया है। थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश कराई जा रही है।

साइबर ठगी की शिकार महिला को मिली राहत, 47 हजार रुपये वापस

मीरजापुर। चिकित्सक से अपॉइंटमेंट बुक कराने के नाम पर हुई साइबर ठगी के मामले में थाना कछवां साइबर सेल टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए पीड़िता के खाते में 47,529 रुपये वापस करा दिए। कछवां क्षेत्र के बाड़ापुर निवासी मिन्नी राय ने 13 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज कराई थी कि अज्ञात व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर लिंक भेजकर ऐप इंस्टॉल कराया और डॉक्टर से अपॉइंटमेंट बुक करने के नाम पर करीब 50 हजार रुपये की ठगी कर ली। मामले में एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में साइबर सेल टीम ने कार्रवाई करते हुए जांच के दौरान 47,529 रुपये की धनराशि पीड़िता के खाते में वापस कराई। गुरूवार को राशि वापस मिलने पर पीड़िता ने थाने पहुंचकर पुलिस टीम का आभार जताया। साथ ही पुलिस ने उन्हें साइबर ठगी से बचाव के प्रति जागरूक किया और अन्य लोगों को भी सतर्क करने की अपील की। कार्रवाई में निरीक्षक अमरजीत चौहान, उप निरीक्षक साहिद यादव व आरक्षी संजीत मौर्य की प्रमुख भूमिका रही।

हनुमान जन्मोत्सव पर विश्व कल्याण को की गई विशेष पूजा: बलबीर गिरी

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। हनुमान जन्मोत्सव पर गुरुवार सुबह से विश्व प्रसिद्ध बंधवा स्थित बड़े हनुमान मंदिर में बड़ी संख्या में पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। हनुमान मंदिर के महंत बलबीर गिरी ने बताया कि संकट मोचन भगवान बजरंगबली के जन्मोत्सव के मौके पर वैदिक मंत्रों के साथ विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

हनुमान जन्मोत्सव को लेकर संगम नगरी प्रयागराज में संगम के बंधवा स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर में खास तैयारियां की गई हैं। पूरे मंदिर को सजाया गया है। वहीं बजरंगबली की मूर्ति को काशी और कोलकाता से मंगाए गए फूलों से भव्य तरीके सजाया गया है। पूरे मंदिर परिसर को फूलों के साथ बिजली की झालरों से भी सजाया गया है। गर्मी के चलते श्रद्धालुओं के लिए पंडाल लगाए गए हैं और श्रद्धालुओं के पैर न जले इसके लिए मैट बिछाई गई है। हनुमान जन्मोत्सव के दिन मंदिर में हनुमान

जन्मोत्सव पर उन्हें 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग भी लगाया गया। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर ईरान और अमेरिका व इजरायल के बीच युद्ध के हालात को लेकर हनुमान जी की विशेष आराधना की गई। आरोग्य के देवता हनुमान जी से विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई। गौरतलब है कि श्री बड़े हनुमान जी को शहर कोतवाल कहा जाता है। दुनिया में हनुमान जी का यही इकलौता मंदिर है जहां पर विश्राम की मुद्रा में हनुमान जी अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। भोर पहर बजरंगबली की प्रतिमा को स्नान कराया गया। मंगला आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर को खोल दिया गया। जिसके बाद से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम स्थित बंधवा हनुमान मंदिर पहुंच रहे है दर्शन पूजन कर रहे है।

कटघर समया मंदिर में धूमधाम से मनाया गया हनुमान जन्मोत्सव

कटघर स्थित समया मंदिर में भगवान

हनुमान जी महाराज का जन्मोत्सव प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रभु का भव्य श्रृंगार, पूजन-अर्चन, हनुमान चालीसा पाठ, आरती तथा गुड़-चना के लड्डू का प्रसाद भक्तों में वितरित किया गया। मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्तों का तांता लगा रहा और श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद एवं भाजपा प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव ने श्रद्धापूर्वक पूजन करते हुए कहा कि वर्तमान युग कलयुग है और इस युग में भगवान हनुमान संकटमोचन के रूप में भक्तों के सभी कष्ट दूर करते हैं। उन्होंने कहा कि ह्नसंकट कटे मिटे सब पीरा, जो सुमिरत हनुमत बलबीराङ्क की भावना के साथ हनुमान जी का श्रद्धा से पूजन करने पर जीवन के संकट दूर होते हैं। उन्होंने सभी लोगों को प्रतिदिन हनुमान जी का स्मरण और पूजन करने की सलाह दी।

चोरी के ट्रैक्टर व छह ट्राली के साथ चार आरोपित गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले की सदर कोतवाली पुलिस और एसओजी ने गुरुवार को ट्रैक्टर चोरी की घटना का खुलासा किया। मामले में पुलिस ने 4 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी के ट्रैक्टर व कई ट्रालियां बरामद की गई हैं। सदर कोतवाली प्रभारी वन कुमार पटेल ने आज शाम बताया कि क्षेत्र के चंदौखी गांव के मोड़ के पास लोहारी बिंवार निवासी मोहन उर्फ विजय कुशवाहा, एलाही तालाब कुम्हरौड़ा मौदहा निवासी अजय श्रीवास, हुसैनी मौदहा निवासी शीलू कुमार व इमरान अहमद को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से एक ट्रैक्टर व छह ट्राली बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपितों में मोहन व अजय के खिलाफ एक एक मुकदमा कोतवाली में दर्ज है। वहीं शीलू के खिलाफ दो व इमरान के खिलाफ सदर कोतवाली व मौदहा कोतवाली में तीन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपितों को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

राजकीय महिला शरणालय में सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

बरेली। बरेली में गुरुवार को राजकीय महिला शरणालय का निरीक्षण कर वहां रह रही महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक/सीओ कार्यालय सोनाली मिश्रा और एसडीएम सदर प्रमोद कुमार ने शरणालय पहुंचकर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मानसिक रूप से अविकसित महिलाओं के प्रकोष्ठ, सुरक्षा व्यवस्था, स्वच्छता, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं और आवासीय व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को निर्देश दिए कि महिलाओं की देखभाल और सुरक्षा में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए और शासन के मानकों के

अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। अधिकारियों ने शरणालय में रह रही महिलाओं से बातचीत भी की। इस दौरान उनकी समस्याओं, जरूरतों और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली गई। महिलाओं द्वारा बताई गई समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला उपनिरीक्षक विनीता गोस्वामी, महिला हेड कांस्टेबल रीता यादव, महिला कांस्टेबल अंशुल समेत अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शरणालय के अभिलेखों और संचालन व्यवस्था की भी समीक्षा की। निरीक्षण में व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों ने कर्मचारियों से कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और बेहतर देखभाल के लिए संवेदनशीलता और सतर्कता के साथ कार्य किया जाए।

दो बाइकों की भिडंत में चाचा-भतीजे की मौत

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में दो बाइकों में आमने सामने भिडंत हो जाने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई। वहीं दूसरी बाइक सवार भी घायल हो गए जिनका इलाज चल रहा है। मौत की खबर मिलते ही घरवालों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बबेरू कोतवाली क्षेत्र के अहार गांव निवासी 26 वर्षीय सुनील पुत्र इंद्रपाल बुधवार की रात अपने 14 वर्षीय भतीजे हिमांशू पुत्र मोहन लाल को बाइक में बैठा कर अपनी बहन की ससुराल बिसंडा थाना क्षेत्र के गिरधारी पुरवा जा रहा था। तभी कैरी मोड़ के पास सामने से आ रही एक अन्य बाइक से

आमने सामने भिडंत हो गई। जिससे चारों लोग छिटक कर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां से गुजर रहे ग्रामीणों ने देखा तो चारों घायल पड़े तड़प रहे थे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को पीएचसी बिसंडा में भर्ती कराया।

तलाशी के दौरान घायलों की जेब से मिले मोबाइल नबंर पर घरवाालों को सूचना दी गई। सूचना पाकर परिजन मौके पर पहुंच गए। डॉक्टरों ने देखने के बाद सभी को रानी दुर्गावती मेंडिकल कालेज रेफर कर दिया। घरवालों ने सभी को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान सुनील और भतीजे हिमांशू की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते घरवालों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया।

इंसाफ सेना के अध्यक्ष एएस नोमानी ने बताया कि सुनील तीन भाईयों में छोटा था। वह सूरत में रहता था। 18 मार्च को गांव आया था। पिता किसानी करता है। मां रजकलिया का रो रोकर बुरा हाल हो गया। वहीं हिमांशू गांव के जूनियर हाई स्कूल में कक्षा आठ में पढता था। एक बहन है। पिता सूरत में रहता है। मां राजा बाई का रो रोकर बुरा हाल हो गया। क्षेत्राधिकारी बबेरू सौरभ सिंह ने बताया कि गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हनुमान जन्मोत्सव की धूम, भक्तिमय हुआ माहौल

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर गुरूवार को नगर के संकट मोचन मंदिर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही मंदिर परिसर 'जय श्री राम' और 'जय हनुमान' के जयकारों से गुंजायमान रहा।

हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर संकट मोचन मंदिर में प्रभु हनुमान का भव्य और मनोहारी श्रृंगार किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। अल सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लग गईं और पूरे दिन मंदिर परिसर में धार्मिक उत्साह बना रहा। उत्सव की शुरुआत विशेष पूजन-अर्चन से हुई, जिसमें विद्वान ब्राह्मणों द्वारा पंचोपचार विधि गंध, पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य के साथ षोडशोपचार पूजन संपन्न कराया गया। इसके साथ ही मंदिर में अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया, जिसके मधुर

और भक्तिमय स्वर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्ज़ा से भरते रहे।

दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं के बीच फल (केला, सेब आदि) और विशेष प्रसाद का वितरण किया गया। दोपहर से मंदिर प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि में मंदिर को रंग-बिरंगी झालरों और पुष्प सज्जा से भव्य रूप दिया गया, जो आकर्षण का केंद्र बना रहा।

इस आयोजन को सफल बनाने में पं. विभव उपाध्याय, पं. अंकित तिवारी, अर्पित और अनुभव उपाध्याय का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संकट मोचन मंदिर के महंत योगेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि चैत्र मास की पूर्णिमा तिथि को हनुमानजी का जन्म हुआ था, जो भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव राम नवमी के सात दिन बाद आती है। उन्होंने कहा कि हनुमानजी शक्ति, भक्ति और सेवा के प्रतीक हैं।

इस दिन उनकी पूजा-अर्चना करने से सभी संकटों का नाश होता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, हनुमानजी का जन्म चैत्र शुक्ल पूर्णिमा को हुआ था। इस दिन व्रत रखने और सुंदरकांड का पाठ करने से शनि दोष एवं मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। अमृत काल और अभिजीत मुहूर्त में की गई पूजा को विशेष फलदायी माना गया।

पंजाब किंग्स के खिलाफ लय हासिल करने की कोशिश करेगा चेन्नई सुपर किंग्स

एजेंसी

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा।

हाल ही में हुए टी20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को

देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए।

सीएसके के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। उनका हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा। संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे। सीएसके को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में डेवाल्ड ब्रेविस की सेवाएं नहीं मिल पाई थी और अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वह साइड स्ट्रेन से पूरी तरह उबर चुके हैं या नहीं।

शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के नहीं चल पाने के कारण सरफराज खान को इंपैक्ट प्लेयर के रूप में मैदान पर उतारा गया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए हालांकि वह सहज नजर आ रहे थे।टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ-साथ कार्तिक शर्मा जैसे युवा खिलाड़ियों से और अधिक उम्मीदें की जाएंगी।

गेंदबाजी की बात करें तो वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी के आगे मैट हेनरी और नूर अहमद जैसे गेंदबाज फीके पड़ गए। वे इससे उबरने के लिए बेताब होंगे। जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की। उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनॉली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है। उन्होंने पिछले मैच में टीम को खराब शुरुआत से उबारकर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

जिम्बाब्वे सितंबर में वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की करेगा मेजबानी

एजेंसी

हरारे। जिम्बाब्वे सितंबर महीने में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की मेजबानी करेगा।

जिम्बाब्वे क्रिकेट ने गुरुवार को यह घोषणा की है। यह सीरीज 15 सितंबर को शुरू होगी, जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 18 और 20 सितंबर को खेला जाएगा।

यह दौरा विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एक दशक से भी अधिक समय में ऑस्ट्रेलिया का इस देश का पहला एकदिवसीय दौरा है। दोनों टीमें आखिरी बार अगस्त और सितंबर 2014 में एक त्रिकोणीय सीरीज के दौरान जिम्बाब्वे की धरती पर इस प्रारूप में आमने-सामने हुई थीं; उस टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका भी शामिल था।

मेजबान टीम के लिए, यह सीरीज आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह एक प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है जिसकी सह-मेज़बानी ज़िम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर करेगा।

जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि यह आगामी सीरीज राष्ट्रीय टीम के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में हो रही है।

माकोनी ने कहा, ''हम ऑस्ट्रेलिया का एक बार फिर जिम्बाब्वे में स्वागत करके बहुत खुश हैं। यह एक बेहद प्रतिस्पर्धी एकदिवसीय सीरीज होने का वादा करती है। इस स्तर के मैच एक टीम के रूप में हमारे विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 नजदीक होने के कारण, यह दौरा हमें अमूल्य तैयारी का अवसर प्रदान करता है, क्योंकि हम दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेज़बानी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।''

सब जूनियर महिला हॉकी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दूसरे दिन गोवा, बंगाल, चंडीगढ़ और उत्तराखंड की जीत

एजेंसी

रांची। 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दूसरे दिन गुरुवार को डिवीजन 'सी' में गोवा हॉकी ने जीत दर्ज की, जबकि डिवीजन 'बी' में हॉकी बंगाल, हॉकी चंडीगढ़ और हॉकी उत्तराखंड ने अपने-अपने मुकाबले जीते।

दिन की शुरुआत डिवीजन 'सी' के पूल-ए मुकाबले से हुई, जिसमें गोवा ने तेलंगाना हॉकी को 6-3 से हराया। गोवा के लिए कप्तान डेलिना मेंडेस (40', 41') और बर्टिला केरकेट्टा (48', 52') ने दो-दो गोल किए, जबकि सीमा तिर्की (3') और विद्या कुमारी (16') ने भी टीम के लिए योगदान दिया। तेलंगाना हॉकी के लिए आनंदी महानंद (30', 36') और नव्याश्री अकुला (15') ने गोल किए।

डिवीजन 'बी' के पूल-ए मुकाबले में हॉकी बंगाल ने दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव हॉकी को 1-0 से हराया। टीम की कप्तान पूजा कुमारी शॉ (21') ने दूसरे क्वार्टर में विजयी गोल दागा।

इसके बाद डिवीजन 'बी' के पूल-बी मैच में हॉकी चंडीगढ़ ने हॉकी गुजरात को 12-1 से करारी शिकस्त दी। कप्तान काफ़ी (38', 46', 55', 60') ने चार गोल दागे, जबकि अन्नू (9', 30'), आंचल (12', 14'), नैन्सी कश्यप (13', 18'), भावना (10') और यास्मिन शर्मा (20') ने भी गोल किए। हॉकी गुजरात के लिए कप्तान नियति परमार (23') ने एकमात्र गोल किया।

दिन के अंतिम मुकाबले में हॉकी उत्तराखंड ने हॉकी कर्नाटक को 6-1 से हराया। करीना (10', 12', 17') ने हैट्रिक लगाई, जबकि कप्तान मीनाक्षी (7'), देवयानी जोशी (53') और दिया (60') ने भी गोल किए।

आदित्य प्रताप यादव एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में

उलानबटार (मंगोलिया)। भारतीय बॉक्सर आदित्य प्रताप यादव ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों के 65किग्रा भार वर्ग के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में आदित्य ने सऊदी अरब के मूसा अलहवसावं को 5-0 से हराया। अब सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला उज्बेकिस्तान के अब्दुल्लोह मदामिनोव से होगा। अब तक, विश्वनाथ सुरेश (पुरुष 50किग्रा), सचिन (पुरुष 60किग्रा), प्रिया (महिला 60किग्रा), प्रीति पंवार (महिला 54किग्रा) और दीपक (पुरुष 70किग्रा) ने एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2026 में अपने शुरुआती दौर के मुकाबले जीत लिए हैं। जादुमणि सिंह (पुरुष 55किग्रा) टूर्नामेंट में अपना मैच पहले ही हार गए थे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले, ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75किग्रा) और पूर्व विश्व चैंपियन निखत जरीन (51किग्रा) को उनके शुरुआती दौर में 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) दिया गया था।

ओडिशा ने जीता खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स में महिला और पुरुष वर्ग का खिताब

एजेंसी

रायपुर। ओडिशा ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में हॉकी का स्वर्ण पदक जीतकर अपने दबदबे को साबित किया। रायपुर के वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में पुरुष टीम ने झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने रोमांचक मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से मात दी। पुरुष वर्ग में झारखंड को रजत और छत्तीसगढ़ को कांस्य मिला, जबकि महिला वर्ग में झारखंड ने कांस्य पदक हासिल कर पोडियम पूरा किया।

आज यहां खेले गये मुकाबलों में ओडिशा की पुरुष टीम ने फाइनल में झारखंड को 4-1 से हराया, जबकि महिला टीम ने कड़े मुकाबले में मिजोरम को 1-0 से पराजित किया। झारखंड और छत्तीसगढ़ की टीमें भी पोडियम तक पहुंचीं, जो इन क्षेत्रों से उभरती प्रतिभा की गहराई को दर्शाता है। लेकिन पदकों से आगे बढ़कर असली कहानी उन गांवों, जंगलों और समुदायों में छिपी है, जहां हॉकी पहचान और अवसर दोनों बन चुकी है।

रायपुर में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में ओडिशा की यह दोहरी स्वर्णिम सफलता केवल एक खेल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह इस बात का सशक्त उदाहरण है कि कैसे हॉकी ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ के जनजातीय क्षेत्रों में जीवन को नई दिशा दे रही है। खेल प्रतिभा के भंडार माने जाने वाले पूर्वोत्तर राज्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जहां मिजोरम की टीम ने फाइनल तक जगह बनाई। दशकों से हॉकी जनजातीय संस्कृति का हिस्सा रही है। बच्चे पेड़ की टहनियों से स्टिक बनाकर ऊबड़-खाबड़ मैदानों पर नंगे पांव खेलते हैं। प्रतिभा हमेशा मौजूद थी, लेकिन उसे आगे बढ़ाने का रास्ता नहीं था–जो अब बदल रहा है।

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन ने इस साल केंद्रीय अनुबंध में जगह नहीं मिलने के बाद गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की, लेकिन कहा कि वह अपनी घरेलू टीम लायंस की तरफ से खेलते रहेंगे। जोहानिसबर्ग के 37 वर्षीय खिलाड़ी वान डेर डुसेन ने पिछले साल मार्च से दक्षिण अफ्रीका की तरफ से कोई मैच नहीं खेला था। उन्होंने 2018 में 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था तथा 18 टेस्ट, 71 वनडे और 57 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वान डेर डुसेन ने एक्स पर जारी किए गए बयान में कहा, ''मैं अत्यंत गर्व और कृतज्ञता के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका की जर्सी पहनना एक ऐसी उपलब्धि है जिसमें आपकी दृढ़ता और समर्पण की परीक्षा होती है और आपको इसका इनाम भी मिलता है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए के चार वर्ष पूरे

❐ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को मिली मजबूती

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता (ईसीटीए) के चार वर्ष पूरे होने के साथ द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई मजबूती मिली है। निर्यात में मजबूत वृद्धि के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में फरवरी तक भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा

भारत और ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते के हस्ताक्षर को आज 4 वर्ष पूरे हो गए हैं। 2 अप्रैल, 2022 को हस्ताक्षर किए जाने के बाद से इस समझौते ने व्यापार बढ़ाने, उद्योग संबंधों को सुदृढ़

करने और व्यवसाय, उद्यमिता व रोजगार के नए अवसर सृजित करने में अहम योगदान दिया है। पिछले चार वर्षों में इस समझौते ने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को और मजबूती प्रदान की है, जिससे दोनों पक्षों को बेहतर बाजार पहुंच और व्यापार बाधाओं में कमी का लाभ मिला है। ऑस्ट्रेलिया को भारत से होने वाला निर्यात दोगुने से ज्यादा बढ़ गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2020-21 में निर्यात 4 अरब अमेरिकी डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 8.5 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल द्विपक्षीय व्यापार 24.1 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि भारत से ऑस्ट्रेलिया को होने वाले निर्यात में पिछले वर्ष की तुलना में 8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025-26 (फरवरी तक) भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ कुल व्यापार 19.3 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बनकर उभरा है, जिससे दोनों देशों के व्यवसायों, लघु एवं मध्यम उद्यमों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ प्राप्त हो रहे हैं। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौता के 4 साल पूरे होने के अवसर पर दोनों पक्षों ने व्यापार विस्तार, आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुदृढ़ करने, निवेश साझेदारी को बढ़ावा देने और द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साझा उद्देश्य को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी

एजेंसी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने वैश्विक स्तर पर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। भारती एयरटेल 65 करोड़ ग्राहकों के साथ दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी बन गई है।

कंपनी ने गुरुवार को ग्लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस (जीएसएमए) के आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि 'जीएसएमए इंटेलिजेंस' के मुताबिक मोबाइल ग्राहक आधार के लिहाज से भारती एयरटेल वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर है। कंपनी भारत तथा अफ्रीका में सेवाएं देती है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया कि यह संख्या 31 मार्च तक उपलब्ध आंकड़ों पर

आधारित हैं।

एयरटेल ने कहा कि भारत में उसके 36.8 करोड़ से अधिक मोबाइल ग्राहक हैं, जबकि अफ्रीका के 14 देशों में 17.9 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। कंपनी के अनुसार अपने क्षेत्रीय बाजारों से आगे बढ़ते हुए एयरटेल 'यूटेलसैट वनवेब' और 'स्पेसएक्स' के साथ रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से डिजिटल खाई को पाटने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्टल ने कहा कि हम नवाचार, विश्वसनीयता एवं सेवाओं के अनुभव के स्तर को और ऊंचा करने का प्रयास करेंगे, ताकि हर ग्राहक के साथ संपर्क भरोसा जीतने तथा मूल्य प्रदान करने का अवसर बने।

बड़ी गिरावट के बाद शेयर बाजार ने की शानदार रिकवरी

सेंसेक्स निचले स्तर से 2,022 अंक उछला, निफ्टी ने भी लगाई छलांग

एजेंसी

❐ बाजार की शानदार रिकवरी के कारण निवेशकों ने कमाए 15 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ने आज दिन के दूसरे सत्र में हुई चौतरफा खरीदारी के सपोर्ट से निचले स्तर से शानदार वापसी की। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बनने पर सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में दो प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में मार्केट सेंटीमेंट्स में सुधार होने पर चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण सेंसेक्स निचले स्तर से 2,000 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी निचले स्तर से लगभग 600 अंक की छलांग लगाने में सफलता हासिल की। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.25 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही, जिसके कारण आईटी इंडेक्स 2.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, मेटल और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑयल एंड गैस इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए।

ब्रॉडर मार्केट में भी आज बड़ी गिरावट के बाद निचले स्तर पर जमकर खरीदारी हुई। इस खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स निचले स्तर से 2.30 प्रतिशत की रिकवरी करने के बावजूद 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने भी निचले स्तर से रिकवरी करने के बावजूद 0.38 प्रतिशत के गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पंद्रह हजार करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 422.16 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.01 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 15 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,387 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,663 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,563 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 159 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,979 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,881 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,098 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 872.27 अंक की कमजोरी के साथ 72,262.05 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की गिरावट बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 के थोड़ी देर पहले सेंसेक्स 1,588.51 अंक की कमजोरी के साथ 71,545.81 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के 20 मिनट पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 2,022.73 अंक की रिकवरी कर 434.22 अंक की मजबूती के साथ 73,568.54 अंक के स्तर तक पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से शुरू हुई बिकवाली के कारण सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 248.99 अंक फिसल कर 185.23 अंक की तेजी के साथ 73,319.55 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 296 अंक लुढ़क कर 22,383.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से पहले डेढ़ घंटे के कारोबार के बाद निफ्टी 496.85 अंक टूट कर 22,182.55 अंक के स्तर तक आ गया।

दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाना शुरू कर दिया। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से 599.75 अंक उछल कर 22,782.30 अंक तक पहुंच गया। अंत में दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 69.20 अंक गिर कर 33.70 अंक की तेजी के साथ 22,713.10 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

आज दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एचसीएल टेक्नोलॉजी 3.53 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.63 प्रतिशत, इंफोसिस 1.97 प्रतिशत, विप्रो 1.95 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.78 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, आयशर मोटर्स 2.58 प्रतिशत, एशियन पेंट्स 2.55 प्रतिशत, एटरनल 2.03 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.02 प्रतिशत और बजाज ऑटो 1.54 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

खाड़ी युद्ध के चलते अमेरिका-इजराइल से तेजस के लिए इंजन और रडार की आपूर्ति में देरी

❐ इंजन की आपूर्ति में लगातार देरी पर एचएएल ने जीई एयरोस्पेस पर लगाया 'लिक्विडेटेड डैमेज'

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका और इजराइल से भारत को लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस मार्क-1ए के लिए इंजन, रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफ़ेयर सिस्टम मिलने में और देरी होने की संभावना बढ़ गई है। अमेरिकी कंपनी ने

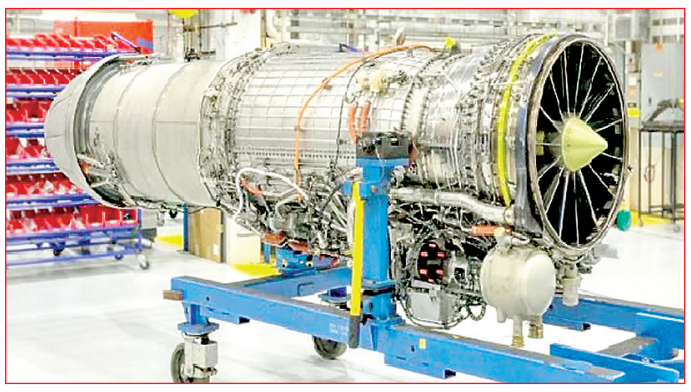

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को देने के लिए छठा एफ-404 इंजन तैयार कर दिया है, लेकिन आपूर्ति नहीं हो पा रही है। इंजन की आपूर्ति में लगातार देरी के लिए एचएएल ने जीई एयरोस्पेस पर 'लिक्विडेटेड डैमेज' लगाने की शुरुआत की है। इसी तरह इजराइल से रडार के लिए सॉफ्टवेयर नहीं मिल पाया है।

एचएएल के चेयरमैन डॉ. डीके सुनील ने गुरुवार को अमेरिका से इंजन आपूर्ति के मुद्दे पर कहा कि हमारे पास 5 इंजन हैं और छठा इंजन अब तैयार है। इसे जल्द ही ले लिया जाएगा। पिछली बार जब मैं जीई एयरोस्पेस गया था, तो भरोसा दिया गया था कि वे हमें इस कैलेंडर साल के दूसरे हाफ में जून से दिसंबर के बीच 20 इंजन देंगे, लेकिन समय पर आपूर्ति नहीं मिली। उन्होंने कहा कि अब लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के लिए इंजन की आपूर्ति में देरी के लिए जीई एविएशन पर 'लिक्विडेटेड डैमेज' लगाया गया है और आपूर्ति होने में देरी वाले हर इंजन पर पेनल्टी लगाई जा रही है, क्योंकि इसकी वजह से वायु सेना को सौदे के तहत एयरक्राफ्ट की आपूर्ति में काफी देरी हुई है।

चेयरमैन डॉ. सुनील ने युद्ध की वजह से एलसीए तेजस मार्क-1ए के लिए इजराइल से रडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफ़ेयर सिस्टम की देरी पर कहा कि रडार के लिए सॉफ्टवेयर आने की वजह से हमें देरी हुई है। इजराइल और ईरान के बीच पिछली लड़ाई में भी यह आपूर्ति थोड़े समय के लिए बंद थी, लेकिन बाद में देरी से सॉफ्टवेयर अपग्रेड भी आए हैं। मौजूदा लड़ाई का आपूर्ति पर कुछ असर पड़ेगा, लेकिन अभी हमारे पास इक्विपमेंट हैं, इसलिए उम्मीद है कि हम बराबरी कर लेंगे। हमें उम्मीद है कि यह लड़ाई भी जल्दी खत्म हो जाएगी और इस देरी का ध्यान रखा जाएगा। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को बताया है कि आपूर्ति में देरी अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के कारण हो रही है। अमेरिकी कंपनी से 2021 में किए गए 99 एफ 404-आईएन20 इंजनों के लिए सौदा किया गया था, जिसमें से पहला पिछले साल मार्च में और पांचवां दिसंबर में आपूर्ति किया गया था। तेजस मार्क-1ए का पहला विमान मार्च, 2024 में वायु सेना को दिया जाना था, लेकिन दो साल से ज्यादा की देरी के बाद इस साल जून-जुलाई तक ही मिलने की संभावना है।

रक्षा मंत्रालय और एचएएल के बीच 3 फरवरी 2021 को जब 83 तेजस मार्क-1ए के लिए डील साइन हुई थी, तबसे एचएएल ने कई बार अलग-अलग आपूर्ति की समय सीमा तय की, लेकिन एक भी अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह कई बार सार्वजनिक मंच से भी इस पर नाराजगी जता चुके हैं। इसके बाद वायु सेना और रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को सौदे की शर्तों से कुछ छूट देने पर सहमति जताई है, ताकि तेजस मार्क-1ए की लंबे समय से रुकी हुई आपूर्ति इस वित्त वर्ष में शुरू हो सके।

मतदाता सूची से नाम हटाने के आरोप पर मालदा में दूसरे दिन भी प्रदर्शन, कई जगह सड़क जाम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के आरोप को लेकर लगातार दूसरे दिन गुरुवार सुबह से कई इलाकों में प्रदर्शन और सड़क अवरोध शुरू हो गया। हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए, जिससे राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि अंतिम मतदाता सूची के साथ-साथ पूरक सूची से भी बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। इसे लेकर पिछले कुछ दिनों से नाराजगी बढ़ रही थी, जो अब विरोध प्रदर्शन के रूप में सामने आई है। मालदा विधानसभा क्षेत्र के मंगलाबाड़ी ग्राम पंचायत के नारायणपुर इलाके में 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग (कोलकाता-सिलीगुड़ी मार्ग) पर हजारों लोगों ने अवरोध किया। इसके कारण लंबा जाम लग गया और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इंग्लिश बाजार और मानिकचक क्षेत्रों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन की खबर है।

इस बीच मोथाबाड़ी विधानसभा क्षेत्र के कालियाचक-2 प्रखंड विकास कार्यालय में बुधवार को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े सात न्यायिक अधिकारियों का घेराव कर लिया गया था, जिनमें तीन महिलाएं भी शामिल थीं। देर रात केंद्रीय बलों ने पहुंचकर सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला।

गुरुवार को फिर से प्रदर्शन शुरू हो गया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चुनाव आयोग ने चुनिंदा समुदाय के लोगों के नाम सूची से हटाए हैं। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती कर दी है। इंग्लिश बाजार के जदूपुर क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में मुस्लिम ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग जाम कर विरोध जताया। उनका कहना है कि वे वैध मतदाता हैं, फिर भी उनके नाम सूची से हटा दिए गए हैं।

केंद्र ने गोवा सरकार और कोचीन पोर्ट प्राधिकरण के साथ पेंशन को आसान बनाने के लिए समझौता किया

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में तकनीक आधारित और नागरिक-केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने गोवा सरकार और कोचीन पोर्ट प्राधिकरण के साथ 'संपन्न' (पेंशन लेखांकन और प्रबंधन प्रणाली) मंच के तहत पेंशन सुविधाओं को आसान बनाने के लिए समझौता किया है। इससे पेंशन प्रशासन की पूरी प्रक्रिया (शुरुआत से लेकर पेंशन वितरण और लेखांकन तक) एकीकृत डिजिटल मंच पर संचालित होगी। इससे पेंशनभोगियों को समय पर, पारदर्शी और सरल सेवा मिलेगी और उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं होगी। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि यह समझौता दूरसंचार विभाग के नियंत्रक महालेखाकार कार्यालय की ओर से उप महालेखाकार जी संदीप कुमार गौड़, कोचीन पोर्ट प्राधिकरण की ओर से अध्यक्ष कासिविश्वनाथ और गोवा सरकार की ओर से रेजिडेंट आयुक्त शकील-उल-रहमान राठर ने हस्ताक्षर किए।

मंत्रालय ने बताया कि 'संपन्न' एक क्लाउड आधारित डिजिटल पेंशन प्रबंधन प्रणाली है, जिसे डिजिटल इंडिया मिशन के तहत किया गया है। इसे पेंशन स्वीकृति, प्राधिकरण, लेखांकन और भुगतान की प्रक्रिया को एकीकृत करने के लिए बनाया गया है। इस मौके पर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि 'संपन्न' अब हर महीने औसतन 1,650 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित कर रहा है। अब तक लगभग 72,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। अब शासन नागरिकों के इर्द-गिर्द घूमता है, जबकि पहले नागरिकों को सेवाओं के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। उन्होंने गोवा सरकार और कोचीन पोर्ट प्राधिकरण को 'संपन्न' से जुड़ने पर बधाई दी और डाक विभाग एवं दूरसंचार विभाग को निर्देश दिया कि वे डाक विभाग के पेंशनरों को भी इस मंच पर शामिल करने की योजना तैयार करें।इस अवसर पर सिंधिया ने 'संपन्न कॉफी टेबल पुस्तक' भी जारी की, जिसमें डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की भूमिका और पारदर्शी, कुशल सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धि को रेखांकित किया गया है।

ममता राज में अपमानित हो रहे हिंदू : मोहन यादव

एजेंसी

बांकुड़ा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरूवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। अपने संबोधन में डॉ. यादव ने कहा कि ममता दीदी की सरकार में शिक्षक घोटाला हुआ, 26 हजार नियुक्तियां रद्द की गईं। उनके शासनकाल में प्रधानमंत्री आवास घोटाला, मनरेगा घोटाला हुआ। ममता ने केवल हिंदुओं का अपमान किया है। ममता दीदी के राज में सब परेशान हैं। ये बात पूरे देश में सुनाई दे रही है।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ममता दीदी बंगाली मानुष के अधिकारों को बांग्लादेश को देने पर तुली हुई हैं। इसलिए यह चुनाव नहीं धर्म युद्ध है। इस माहौल में श्री राम का मंत्र हम सभी को ताकत दे रहा है। आज हमारे बंगाल में यहां का युवा-महिला-गरीब-किसान, सभी लोग बदलाव के लिए खड़े हो गए हैं। सब अपनी आन-बान-शान के लिए लड़ रहे हैं। आज दुनिया की कोई ताकत भाजपा को बंगाल में सत्ता हासिल करने से रोक नहीं सकती।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया भारत का कद-उसका मान बढ़ता देख रही है। बांग्लादेश से घुसपैठिए आ रहे हैं और हमारे अधिकारों पर कब्जा कर रहे हैं। बांग्लादेश के लोगों के लिए बंगाल में कोई जगह नहीं है। मोहन यादव ने कहा कि आपके चेहरे का नूर बता रहा है कि रिजल्ट आने वाला है, भाजपा जीतने वाली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास के मंत्र पर चल रहे हैं। आज हमारे देश में अनूसूचित जनजाति की बहन राष्ट्रपति पद पर आसीन है। इससे भाजपा की नीति और काम करने का तरीका पता चलता है। वामपंथी-कांग्रेस और ममता की पार्टी ने कभी एससी-एसटी को महत्व नहीं दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ममता दीदी ने 77 समुदाय की ओबीसी लिस्ट में मुस्लिम जातियां जोड़ दीं, हिंदुओं को नहीं जोड़ा। मैं पूछना चाहता हूं कि वोट के लिए ऐसा पागलपन क्यों करना? इसलिए बंगाल के लोगों ने कसम खाई है भाजपा को सत्ता में लाने की। ये माहौल बता रहा है कि भाजपा ही जीतेगी।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि पहले कम्युनिस्ट और बाद में ममता की पार्टी ने बंगाल का भट्टा बैठा दिया है। आज हिसाब चुकता करने का समय आ गया है। हम सब जान की बाजी लगाकर भाजपा को जिताने वाले हैं। हम बंगाल में कमल खिलाकर रहेंगे, भाजपा को जिताकर रहेंगे। जब तक एक-एक वोट भाजपा के पक्ष में न डल जाए, तब तक चैन से नहीं बैठना है।

'मर्दानी 3' ओटीटी पर भी सुपरहिट

नेटफ्लिक्स इंडिया पर बनी नंबर 1 फिल्म

एजेंसी

मुंबई। यश राज फिल्म्स की सुपरहिट फिल्म मर्दानी 3, नेटफ्लिक्स इंडिया पर नंबर 1 फिल्म बन गई है। रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' की सफलता ने इस ब्लॉकबस्टर फ्रेंचाइज़ी की तीनों फिल्मों को टॉप 10 फिल्मों की सूची में जगह दिला दी है।

आज सुबह तक, 'मर्दानी 3' (2026) नंबर 1 स्थान पर है, पहली 'मर्दानी' (2014) नंबर 5 पर और 'मर्दानी 2' (2019) नंबर 7 पर नेटफ्लिक्स इंडिया पर ट्रेंड कर रही हैं। यह इस बेहद सराही गई फ्रेंचाइज़ी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो देश की एकमात्र सफल महिला-प्रधान फिल्म फ्रेंचाइज़ी भी है।

'मर्दानी 3' ने भारत में 53 करोड़ रुपये से अधिक का नेट कलेक्शन किया और यह इस फ्रेंचाइज़ी की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। इसके साथ ही, इसने

सिनेमाघरों में 50 दिन पूरे किए, जो आज के समय में किसी भी फिल्म के लिए एक दुर्लभ उपलब्धि मानी जाती है।

ओपनिंग डे पर 'मर्दानी 3' ने सभी उम्मीदों को पार करते हुए मर्दानी फ्रेंचाइज़ी और रानी मुखर्जी की सोलो फिल्म के लिए सबसे बड़ी ओपनिंग दर्ज की। फिल्म ने पहले दिन चार करोड़ रुपये का कलेक्शन कर भारत में महिला-प्रधान फिल्मों के लिए एक शानदार शुरुआत की थी ।

इंडस्ट्री विश्लेषकों का मानना है कि 'मर्दानी' फिल्मों के आसपास बढ़ती चर्चा थिएट्रिकल रिलीज़ और ओटीटी प्लेटफॉर्म के बीच बढ़ते तालमेल को दर्शाती है, जहां मजबूत वर्ड-ऑफ-माउथ और क्रिटिकल सराहना पाने वाली फिल्में स्ट्रीमिंग पर लंबे समय तक दर्शकों को आकर्षित करती हैं। इस फ्रेंचाइज़ी की सफलता यह भी साबित करती है कि मजबूत कहानी और दमदार महिला किरदारों वाली भारतीय फिल्मों की स्थानीय और वैश्विक स्तर पर बड़ी मांग है।

'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ी कहानी कहने की उत्कृष्टता और दर्शकों से जुड़ाव का एक बेंचमार्क बन चुकी है और भारतीय सिनेमा की सबसे प्रभावशाली सीरीज में अपनी मजबूत जगह बना चुकी है।

निर्देशक अभिराज मीनावाला और निर्माता आदित्य चोपड़ा के साथ 'मर्दानी 3' इस फ्रेंचाइज़ी की सामाजिक रूप से प्रासंगिक और दमदार कहानी कहने की विरासत को आगे बढ़ाती है। 'मर्दानी' अब 12 वर्षों से एक स्थापित थिएट्रिकल प्रॉपर्टी बन चुकी है, खासकर ऐसे जॉनर में जो पारंपरिक रूप से पुरुष सितारों के दबदबे में रहा है।

रानी मुखर्जी ने अपने करियर के 30वें वर्ष में एक बार फिर सोलो थिएट्रिकल सफलता हासिल की है, जो उनकी लंबी उम्र और बॉक्स ऑफिस पर निरंतर विश्वसनीयता को दर्शाने वाला एक दुर्लभ मुकाम है। इस शानदार सफलता के साथ, 'मर्दानी' सीरीज ने हिट फिल्मों की हैट्रिक पूरी कर ली है और यह भारत की एकमात्र सफल महिला-प्रधान फ्रेंचाइज़ी होने के साथ-साथ भारतीय सिनेमा के इतिहास की एकमात्र हिट महिला-पुलिस फ्रेंचाइज़ी भी बनी हुई है।

संजय दत्त की 'आखरी सवाल' का टीजर हुआ रिलीज़

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार संजय दत्त स्टारर 'आखरी सवाल', का टीजर रिलीज़ हो गया है। नेशनल अवॉर्ड विनर फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग के निर्देशन में बनी फिल्म 'आखरी सवाल' में संजय दत्त मुख्य भूमिका में हैं और इसे निखिल नंदा ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म का टीज़र रिलीज हो गया है। महात्मा गांधी के निधन के बाद लगाए गए बैन से लेकर बाबरी मस्जिद ढहाने के आरोपों तक, 'आखरी सवाल' ऐसे गंभीर सवाल उठाती है जिनके जवाब लोग लंबे समय से ढूंढ रहे हैं।

संजय दत्त के साथ-साथ अमित साध, नमाशी चक्रवर्ती, समीरा रेड्डी, नीतू चंद्रा और त्रिधा चौधरी जैसे शानदार कलाकारों से सजी 'आखरी सवाल' उन फिल्मों में से

एक है जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। कहानी विक्की की है, जो एक होनहार लेकिन थोड़ा गुस्सैल स्कॉलर है और प्रोग्रेसिव इंडिया का एक महत्वाकांक्षी युवा है। विक्की अपनी थीसिस रिजेक्ट होने के बाद अपने गुरु प्रोफ़ेसर गोपाल नडकर्णी पर पक्षपात का आरोप लगाता है। जो शुरू में एक निजी एकेडमिक विवाद होता है, वो बाद में नेशनल टेलीविजन पर होने वाली बहस में बदल जाता है। यह फिल्म भारत के युवाओं के मन में उठने वाले सुलगते सवालों उनकी उम्मीदों, शंकाओं और ऐतिहासिक घटनाओं व तथ्यों के जरिए सच की उनकी तलाश को दिखाती है।

फिल्म के केंद्र में गुरु-शिष्य के बीच का एक जबरदस्त टकराव है, जहाँ विक्की की लगातार पूछताछ एक गहरे व्यक्तिगत मकसद का खुलासा करती है। आखिर में, उसका 'आखरी सवाल' एक सदी पुराने ऐसे राज से पर्दा उठाता है जो या तो प्रोफ़ेसर को सही साबित कर सकता है या उन दोनों को बर्बाद। 'निखिल नंदा मोशन पिक्चर्स' के बैनर तले बनी यह फिल्म निखिल नंदा द्वारा पेश की जा रही है, जिन्होंने जियो हॉटस्टार और अन्य प्लेटफॉर्म्स के लिए कई प्रोजेक्ट्स किए हैं। 'आखरी सवाल' को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्जवल आनंद इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज ने 920 करोड़ की कमाई की

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज कमाई ने भारतीय बाजार में दो सप्ताह में 920 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सीक्वल धुरंधर: द रिवेंज

बॉक्स ऑफ़िस पर राज कर रही है।

रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। इस फिल्म में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन की अहम भूमिका है। सैकनिल्क के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 'धुरंधर: द रिवेंज' ने पेड प्रीव्यू के दौरान 18 मार्च को फिल्म ने 43 करोड़ रूपये की कमाई की। फिल्म ने रिलीज के पहले सप्ताह भारतीय बाजार में 674.17 करोड़ की धमाकेदार कमाई की।

फिल्म ने दूसरे सप्ताह में 245.85 करोड़ की कमाई की है। इस तरह इस फिल्म 14 दिनों में भारतीय बाजार में 920. 02 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।उम्मीद की जा रही है कि धुरंधर: द रिवेंज जल्द ही भारतीय बाजार में 1000 करोड़ की कमाई कर लेगी।

फिल्म 'भूत बंगला' के 16 अप्रैल 2026 से शुरू होंगे पेड प्रिव्यूज

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मकार एकता कपूर की अक्षय कुमार स्टारर फिल्म'भूत बंगला' का पेड प्रिव्यू 16 अप्रैल की रात नौ बजे से शुरू होने जा रहा है।

बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' अब अपनी रिलीज़ के बेहद करीब है। उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों से भी बढ़कर होगी। बढ़ते एक्साइटमेंट के साथ, यह फिल्म मनोरंजन का एक ऐसा पैकेज लाने का वादा करती है जो पहले कभी नहीं देखा गया। 16 अप्रैल 2026 की रात नौ बजे से शुरू होने वाले पेड प्रिव्यू के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि फिल्म में क्या खास है और लोगों के पहले रिएक्शंस कैसे आते हैं।

एकता कपूर ने कहा,''अपने डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स और बड़े मार्केट के एग्जीबिटर्स के साथ लंबी चर्चा और उनकी कई गुजारिशों के बाद, हमने भूत बंगला की

रिलीज को एक हफ्ते आगे बढ़ाने का फैसला किया है। हम दर्शकों को सिनेमा का एक बेहतरीन अनुभव देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और हमें भरोसा है कि इस फैसले से फिल्म को फायदा होगा और थिएटर्स में इसे एक लंबी और शानदार दौड़ मिलेगी! धुरंधर: द रिवेंज, इस वक्त बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन कर रही है, जो कि पूरी फिल्म इंडस्ट्री और प्रोड्यूसर्स के लिए बहुत अच्छी खबर है। हमारे एग्जीबिटर्स को लगा कि इस फिल्म को एक साफ और बिना किसी रुकावट वाला हफ्ता देना पूरी इंडस्ट्री के लिए सबसे बेहतर होगा।''

एकता कपूर ने कहा, ''फिल्म भूत बंगला को एक हफ्ता आगे बढ़ाकर, हम यह पक्का कर रहे हैं कि दोनों फिल्मों को वह थिएटर स्पेस, मार्केटिंग फोकस और दर्शकों का ध्यान मिले जिसके वे हकदार हैं! हमारा मानना है कि यह फैसला हर किसी के लिए फायदेमंद है फिल्म मेकर्स के लिए, एग्जीबिटर्स के लिए और सबसे जरूरी, उन दर्शकों के लिए जिन्हें बिना किसी समझौते के हर फिल्म का पूरा अनुभव लेने का मौका मिलेगा। हम हमेशा थिएटर जाने वाले दर्शकों की सहूलियत को सबसे ऊपर रखेंगे और अपनी फिल्मों के जरिए उनका बेहतरीन तरीके से मनोरंजन करने की कोशिश करते रहेंगे!''

'भूत बंगला' अक्षय कुमार और प्रियदर्शन के उस रीयूनियन को दिखाती है जिसका फैंस को लंबे समय से इंतज़ार था। इस जोड़ी ने पहले भी कई ऐसी कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं जो आज भी सबकी फ़ेवरेट हैं, इसलिए इनका फिर से साथ आना दर्शकों के लिए बहुत खास है।

बालाजी मोशन पिक्चर्स (बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड का एक हिस्सा), केप ऑफ गुड फिल्म्स के साथ मिलकर पेश करते हैं 'भूत बंगला', जिसमें अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू, राजपाल यादव, जीशू सेनगुप्ता और मिथिला पालकर मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म के निर्देशक प्रियदर्शन हैं और इसके प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं।